अजमेर, सीकर, झुंझुनूं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

विज्ञापन के लिऐ : 9314505000

लॉग ऑन करें: www.chamaktarajasthan.com

RNI No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

चमकता राजस्थान

Email- chamaktarajasthan8789@gmail.com

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

डाक पंजीयन संख्या: RJ/JPC/D19/2022-23

जयपुर, रविवार, 1 अक्टूबर 2023 | वर्ष : 14 | अंक : 48 | पृष्ठ : 8 | दैनिक प्रात: कालीन | मूल्य: 1 रूपया

भारतीय सेना में शामिल होंगे 156 'प्रचंड' लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना की ताकत लगातार बढ़ती ही जा रही है। देश की सीमाओं की सुरक्षा को चक-चौबंद रखने के लिए भारत सरकार हर साल करोड़ों रुपए खर्च करती है। सीमा पर तैनात जवानों को हर वो चीज मुहिया कराई जा रही है जिसकी उनको जरूरत है। सेना के बेड़े में 156 %प्रचंड% लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर शामिल होने वाले है। भारतीय वायु सेना हिन्दुस्तान ऐरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से प्रचंड लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर खरीदने जा रही है। बताया जा रहा है कि इन हेलीकाप्टरों को भारतीय वायुसेना और भारतीय सेना द्वारा चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर तैनात किया जाएगा। इससे पहले भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए लगभग 100 और हल्के लड़ाकू विमान मार्क 1ए खरीदने की घोषणा की थी। भारतीय वायु सेना ने रक्षा मंत्रालय से 156 स्वदेशी लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर्स %प्रचंड% की मांग की है। संभावना जताई जा रहा है कि वायुसेना की इस मांग को जल्द ही स्वीकृति मिलने वाली है। इससे वायु सेना की शक्ति में जबरदस्त इजाफा होगा। सेना के कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू, डिस्ट्रक्शन ऑफ एनेमी एयर डिफेंस, काउंटर इनसर्जेंसी ऑपरेशन व रिमोटली पायलेटेड एयरक्राफ्ट को धराशाई करने में प्रचंड हेलीकॉप्टर अहम रोल निभाएंगे।

नियंत्रण रेखा पर दो आतंकी ढेर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर में भारतीय सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में घुसपैठ कर रहे दो आतंकियों को मार गिराया है। कश्मीर के माछिल सेक्टर में हुई इस कार्रवाई में आतंकियों के पास पाकिस्तानी दस्तावेज, मुद्रा और बड़ी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद हुई है। यह आतंकी नियंत्रण रेखा पर सुरंग बनाकर भारतीय सीमा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। भारतीय सुरक्षाबलों से मिली जानकारी कि अनुसार उन्हें सूचना मिली थी कि सीमा पार से घुसपैठ कोशिश हो रही है। इसके बाद इलाके को चिंहित कर लिया गया और पूरी सीमा पर तलाशी अभियान शुरू हो गया। इसी दौरान यह आतंकी एक सुरंग से घुसपैठ करते दिखाई दिए तो इन्हें मार गिराया गया। अब उनके साथियों को तलाश की जा रही है। यह आशंका है कि कई आतंकी और हो सकते हैं। आतंक के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी राजौरी जिले के ढांगरी गांव में हुए हमले के मामले में पूंछ जिले में कार्रवाई कर रही है। इसमें लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों के सहयोगियों की तलाश है। इस दौरान कई संदिग्धों के यहां से आपत्तिजनक डेटा और सामग्री मिली है।

3 लाख युवाओं को दिया रोजगार, संविदा कर्मचारियों को करेंगे स्थायी : गहलोत

चमकता राजस्थान, जयपुर,। मिशन 2030 के तहत मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार शाम को बीकानेर के एमएम ग्राउंड पहुंचे। यहां उन्होंने भुजिया पापड़ नमकीन उद्योग से जुड़े लोगों से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। साथ ही युवाओं से संवाद कर युवाओं को साधने का प्रयास किया। संवाद के बाद ग्राउंड में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि उद्योग से जुड़े लोगों से संवाद कर अच्छा लगा। उन्होंने जो समस्याएं बताई, उन्हें दूर करने की सरकार पूरी कोशिश करेगी। भुजिया, पापड़ उद्योग राजस्थान सहित पूरे देश में प्रसिद्ध है। साथ ही, छात्रा से संवाद कर छात्र-छात्राओं की समस्याओं को भी जाना। छात्रा ने जो सुझाव दिए, उनपर भी हम विचार कर पूरा करने की कोशिश करेंगे। प्रदेश में आईआईटी, आईआईएमएम जैसे संस्थान खुल रहे हैं। प्रदेश में पहले अकाल पड़ता था, रोजगार की व्यवस्था करनी पड़ती थी, पानी की व्यवस्था करनी पड़ती थी, पशुओं के लिए चारे का प्रबंधन करना पड़ता था। प्रदेश में धीरे धीरे बदलाव हुए।

सोच-समझकर किया शुरू : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने मिशन 2030 बहुत सोच समझकर शुरू किया। इसी बहाने पूरे प्रदेश में प्रोग्राम कर रहे हैं। लोगों ने हमें ऑनलाइन और ऑफलाइन सुझाव भेजें। इनका हम अध्यनन कर रहे हैं। लोगों ने सकारात्मक सुझाव भेजें, तो कई लोगों ने निगेटिव सुझाव भी भेजें। हमने इनका बुरा नहीं माना। इनसे हमे पता चलेगा कि कमी कहा है, ताकि इन्हें दूर कया जा सके। मिशन 2030 को लेकर डॉक्यूमेंट बना रहे हैं, प्रदेश की

आने वाली पीढ़ी के लिए काम आएगा यह मिशन।

पांच साल में खोले 300 से ज्यादा कॉलेज : लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, आपके आशीर्वाद से पहली बार 1998 में प्रदेश का मुख्यमंत्री बना। उस वक्त प्रदेश में महज 6 विश्वविद्यालय थे। हमारे बच्चे पुणे, दिल्ली, महाराष्ट्र आदि राज्यों/शहरों में पढने के लिए जाते थे। हमने 5 साल में 310 कॉलेज खोल दिए। इनमें 130 कॉलेज लड़कियों के लिए हैं। जिन स्कूल में 500 लड़कियां पढ़ेंगी वहां कॉलेज बना दिया जाएगा। हमारी सरकार शिक्षा को तवज्जो दे रहे हैं। हमने हर जरूरी चीज के लिए पॉलिसी बना चुके हैं।

नरेगा कानून से आई क्रांति : उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह और पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने नरेगा कानून बनाया जो देश में क्रांति लेकर आया। कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं रहे, इसके लिए भी कानून बनाया। यूपीए सरकार ने ही लोगों को सूचना का अधिकार (आरटीआई) कानून दिया।

राइट टू हेल्थ का अधिकार दिया : मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा कि हमने राइट टू हेल्थ का कानून बनाया जिससे लोगों को अच्छे इलाज का लाभ मिल सके। यह कानून बनाने वाला राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है। हमने सबसे बड़ी हेल्थ स्कीम आरजीएचएस भी लागू की। राजस्थान में 25 लाख का बीमा है, पूरे देश में कहीं नहीं है। राजस्थान देशभर में चर्चा का कारण बन गया है। हमारे साले फैसले पूरे देश में चर्चा का विषय बने हुए हैं।

लागू किया ओपीएस : कर्मचारियों का ख्याल रखते हुए हमने फिर से ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) लागू की। इस स्कीम को लागू करने के बाद दूसरे राज्यों में भी इसे लागू करने पर विचार किया जा रहा है। अधिकांश काम ऐसे हैं जो सिर्फ राजस्थान में ही रहे हैं।

जीडीपी के मामले में राजस्थान दूसरे नंबर पर : उन्होंने आगे कहा कि जीडीपी के मामले में आंध्रप्रदेश पहले स्थान पर, जबकि राजस्थान दूसरे स्थान पर है। आंध्र की जीडीपी 11.40 है और राजस्थान की 11.04 है। उत्तर भारत में जीडीपी के मामले में हम नंबर वन हैं। आर्थिक रूप से हम आगे बढ़ रहे हैं। 2030 तक जीडीपी 30 लाख करोड़ करने का इरादा है।

3 लाख युवाओं को रोजगार दिए : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 3 लाख युवाओं को रोजगार दिया है। करीब एक लाख संविदा कर्मियों को पक्का करने का फैसला कर लिया है। इसके लिए नियम कायदे बन रहे हैं। साथ ही स्थायी, अस्थायी कर्मचारियों को संतुष्अ करने का प्रयास कर रहे हैं।

भीलवाड़ा मॉडल की पूरी दुनिया ने की तारीफ : गहलोत ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान भीलवाड़ा मॉडल की विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) सहित पूरी दुनिया ने तारीफ की थी। उस दौरान दवाओं की जरूरत पड़ी तो चार्टर विमान भेजकर दवाईयां मंगवाई।

उल्लेखनीय है कि शनिवार को बीकानेर दौरे पर आए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, शिक्षा मंत्री डॉ बीड़ी कल्ला भी साथ रहे। संवाद जनसभा में कोचिंग संस्थानों के युवा, एनएसयुआई के नेता और युवक कांग्रेस के नेता झंडे लेकर पहुंचे। नमकीन उद्योगों के व्यापारियों के साथ फैक्ट्रियों में काम करने वाली महिला और पुरुष श्रमिक बड़ी संख्या में पहुंची। कुलमिलाकर करीब तीन हजार की तादाद वाली इस सभा कम संवाद में टिकट के दावेदार कांग्रेसी भी समर्थकों के साथ पहुंचे।

वर्चुअल किया साईकिल वेलोड्रम का लोकार्पण : सीएम गहलोत ने एमएम ग्राउंड में मंच से वर्चुअल रूप में महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय के नव निर्मित साईकिल वेलोड्रम का लोकार्पण किया। इस दौरान शिक्षा मंत्री डॉ बीड़ी कल्ला भी मौजूद रहे। सीएम ने बीकानेर के रानीबाजार रेलवे अंडरपास का लोकार्पण, राजरतन बिहारी मंदिर जीर्णोद्धार और विकास कार्य का शिलान्यास, लक्ष्मीनाथ मंदिर में विकास और जीर्णोद्धार कार्य का शिलान्यास तथा 132 केवी ग्रिड सब स्टेशन हिम्मटसर मुकाम का लोकार्पण भी वर्चुअल किया।

2000 रुपए का नोट बदलने की समय सीमा अब सात दिन बढ़ाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2000 रुपए का नोट बदलने की समय सीमा अब सात दिन के लिए और बढ़ा दी है। पहले 30 सितंबर तक यह नोट जमा किए जाने थे अब यह नोट सात अक्टूबर तक जमा किए जा सकेंगे। ऐसे में अगर आप अपना 2000 रुपए का नोट नहीं बदल पाए हैं तो तत्काल बदल लिजिए। इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिली है। कई लोग समय सीमा को बढ़ाने की मांग कर रहे थे। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि बैंक में एक समीक्षा के बाद यह फैसला किया गया है। 2000 रुपए के नोट अब सात अक्टूबर तक बैंकों में जमा कराए जा सकते हैं।

पोस्ट से भी बदले नोट : रिजर्व बैंक ने लोगों को पोस्ट से भी नोट बदलने की सुविधा दी है। देश में रहने वाले लोग रिजर्व बैंक के किसी भी 19 बैंक को पोस्ट के जरिए 2000 रुपए नोट भेज सकते हैं। उन्हें उनके अकाउंट में जमा कर दिया जाएगा। इसके लिए पहचान पत्र भी भेजना होगा और बैंक अकाउंट का नंबर भी। इस आदेश के साथ भारतीय रिजर्व बैंक ने प्रावधान दिया है कि अब लोग सिर्फ निर्धारित 19 बैंक में इसे बदल सकते हैं। पहले किसी भी बैंक में 2000 रुपए का नोट बदला जा सकता था। यह 19 बैंक रिजर्व बैंक का कार्यालय होगा।

हिंदुस्तान का एक्स-रे कराने की जरूरत, पता चलना चाहिए कौन सी जाति की संख्या कितनी : राहुल गांधी

शाजापुर, (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में आने वाले विधानसभा चुनाव के पूर्व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में कौन सी जाति कितनी संख्या में है, ये सामने लाने के लिए देश के एक्स-रे की जरूरत है और कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना कराई जाएगी।

मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल में

प्रदेश कांग्रेस की ओर से निकाली जा रही जन आक्रोश यात्रा को संबोधित करते हुए गांधी ने अपनी बात के समर्थन में पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष कमलनाथ का संदर्भ दिया। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कमलनाथ को चोट लग गई, जिसके बाद वे जैसे ही अस्पताल पहुंचे, डॉक्टरों ने सबसे पहले उनका एक्स-रे कराया, उसके बाद आगे की समस्या बताई। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कमलनाथ का सबसे पहले एक्स-रे किया गया, उसी प्रकार देश का भी अब एक्स-रे कराने की जरूरत आन पड़ी है। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना देश के सामने आज सबसे बड़ा मुद्दा है।

कांग्रेस की इस जनाक्रोश यात्रा सभा के दौरान प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, पार्टी महासचिव और प्रदेश प्रभारी रणदीप सुरजेवाला, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह समेत पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

अपना पुराना आरोप दोहराते हुए गांधी ने आज एक बार फिर कहा कि देश को 90 आला अधिकारी चलाते हैं, जिनमें से मात्र तीन अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से आते हैं। इन तीन अधिकारियों की बजट खर्च में भागीदारी भी मात्र पांच फीसदी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मान लीजिए कि अगर देश में ओबीसी वर्ग की आबादी लगभग 50 फीसदी है तो उनका मात्र पांच फीसदी बजट खर्च पर ही नियंत्रण क्यों है।

महिला आरक्षण के संदर्भ में गांधी ने कहा कि कांग्रेस इसके समर्थन में है, लेकिन कांग्रेस ने इसमें ओबीसी आरक्षण के बारे में पूछा, जिसका कोई जवाब नहीं दे रहा। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के तीन मुख्यमंत्री ओबीसी वर्ग से आते हैं, लेकिन भाजपा ने ओबीसी वर्ग के जिन लोगों को विधायक या सांसद बनाया है, उन्हें भी बोलने नहीं दिया जाता।

अपने लगभग 25 मिनट के संबोधन में गांधी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि ओबीसी वर्ग के विधायक और सांसदों से पूछें कि कानून बनाने से पूर्व क्या उनका विचार लिया जाता है। वास्तविकता ये है कि कानून आरएसएस वाले और देश के चुनिंदा अधिकारी बनाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जो जातिगत जनगणना कराई थी, उसके आंकड़े केंद्र

सौ आकांक्षी ब्लॉक, सौ आकांक्षी गांवों के विकास का मॉडल बनाएं : मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के 112 आकांक्षी जिलों के विकास के कार्यक्रम की महत्वाकांक्षी सफलता और 25 करोड़ लोगों के जीवन में बदलाव आने की सराहना करते हुए आज नौकरशाही को नसीहत दी कि वे अब देश के सौ ब्लॉकों और सौ पिछड़े गांवों को चिह्नित करके उनके विकास का मॉडल तैयार करें।

मोदी ने यहां भारत मंडपम में देश के महत्वाकांक्षी ब्लॉकों के लिए संकल्प सप्ताह नाम से सप्ताह भर का एक कार्यक्रम शुरू किया। इस अवसर पर उन्होंने महत्वाकांक्षी ब्लॉक प्रोग्राम पोर्टल भी लॉन्च किया और एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने ब्लॉक स्तर के तीन अधिकारियों से भी बातचीत की। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के बरेली के बहेरी की स्कूल शिक्षिका रंजना अग्रवाल, मनकोट, पुंछ, जम्मू और कश्मीर से आए सहायक सर्जन पशुचिकित्सक डॉ. सजीद अहमद और मेघालय के रेसुबेलपारा, एनजीएच (गारो क्षेत्र) के जूनियर ग्रामीण विकास अधिकारी मिकेनचर्ड च मोमिन से उनके क्षेत्र में उनके द्वारा की गयी पहलों के बारे में जानकारी ली और आकांक्षी ब्लॉक एवं जिला कार्यक्रम में ग्राम पंचायत की भूमिका के महत्व को रेखांकित किया।

मोदी ने सभा को संबोधित करते हुए उन लोगों का उल्लेख किया जो दूर-दराज के क्षेत्रों में विकास का ध्यान रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार की सोच का संकेत है कि इस तरह का जमावड़ा जी-20 शिखर सम्मेलन स्थल पर हो रहा है, जहां एक महीने पहले ही विश्व मामलों की दिशा तय करने वाले लोग एकत्र हुए थे। प्रधानमंत्री ने जमीनी स्तर पर बदलाव लाने वालों का स्वागत किया।

प्रदेश में कानून व्यवस्था ठप, अराजकता का माहौल : सीपी जोशी

जयपुर , (कासं)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर शहर में दो युवकों की बाइक टकराने के बाद आपसी झगड़े में एक युवक की मौत हो गई, जिसके प्रति मेरी संवेदना है, किंतु इस झगड़े को सांप्रदायिक रंग देने का प्रयास गलत है।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि पूरे प्रदेश में सरकार की कानून व्यवस्था तार तार हो चुकी है। अराजकता का माहौल है। अपराधियों में पुलिस का कोई डर नहीं है। इसी कारण अपराधों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

भाजपा देश की सभी 543 लोकसभा सीटों पर करेगी विस्तारकों की तैनाती

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने देश की सभी 543 लोकसभा सीटों पर विस्तारकों की तैनाती करने का फैसला किया है। इसके लिए पार्टी आलाकमान ने राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल के नेतृत्व में 10 नेताओं की एक समिति का भी गठन किया है। पार्टी के ये 10 नेता अलग-अलग राज्यों में विस्तारकों का चयन कर उनके प्रशिक्षण की व्यवस्था करेंगे। इसके बाद उन्हें अलग-अलग लोकसभा क्षेत्रों में पार्टी उम्मीदवारों को जीत दिलाने के लिए तैनात कर दिया जाएगा। 10 नेताओं की यह समिति देशभर में विस्तारकों के नियोजन का दायित्व संभालेगी और केंद्रीय स्तर पर पार्टी के महासचिव सुनील बंसल को रिपोर्ट करेगी। सूत्रों के मुताबिक, विस्तारक योजना का संयोजक उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा को बनाया गया है जबकि सह संयोजक का दायित्व बिहार भाजपा के संगठन महासचिव भीखू भाई दलसानिया और राजकुमार शर्मा को सौंपा गया है। प्रदेश स्तर पर भी अलग-अलग नेताओं के नेतृत्व में टीम बनाई जाएगी। ये विस्तारक अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों की रिपोर्ट प्रदेश के संयोजक को देंगे, जो इसे राष्ट्रीय टीम तक आगे बढ़ाने का काम करेंगे। भाजपा ने यह योजना बनाई है कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, महाराष्ट्र , पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में सभी विस्तारकों का चयन, प्रशिक्षण और तैनाती का कार्य एक दिसंबर तक हर हाल में पूरा कर लिया जाए और वहीं छोटे राज्यों में इस काम को हर हाल में एक जनवरी तक संपन्न कर लिया जाए। आपको बता दें कि भाजपा ने पहले यह तय किया था कि वह अपने लिहाज से कमजोर मानी जाने वाली देश की 160 लोकसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा से पहले ही विस्तारकों की तैनाती कर देगी। बाद में इसकी संख्या में इजाफा होता चला गया और अब भाजपा ने देश की सभी 543 लोकसभा सीटों पर विस्तारकों की तैनाती का फैसला कर लिया है। दरअसल, भाजपा के विस्तारक पार्टी के ऐसे कार्यकर्ता होते हैं, जिन्होंने लंबे समय तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या इससे जुड़े किसी संगठन के साथ स्वयंसेवक एवं पूर्णकालिक कार्यकर्ता के तौर पर काम किया हो और वर्तमान में भाजपा के साथ जुड़े हो। यह माना जाता है कि संघ के बैकग्राउंड और पूर्णकालिक कार्यकर्ता होने के कारण यह वास्तविक जमीनी हालात का फीडबैक संगठन तक पहुंचा सकते हैं।

जयपुर के सुभाष चौक में युवक की हत्या के बाद तनाव के हालात, भीड़ बढ़ती देख रामगंज बाजार किया गया बंद, पुलिस ने एंट्री रोकी

चमकता राजस्थान, जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के सुभाष चौक इलाके में एक युवक की हत्या के बाद से तनाव के हालात बन गए हैं। देर रात करीब 12 बजे से भारी पुलिस फोर्स तैनात है। माहौल खराब नहीं हो इस कारण एसटीएफ की टुकड़ी को भी तैनात किया गया है। देर रात से आज तड़के तक एडिशनल पुलिस कमिश्नर, डीसीपी, एडीसीपी समेत अन्य पुलिस अफसर सुभाष चौक इलाके में तैनात रहे। हालात ये हो गए कि भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को एक्शन में आना पड़ा। काफी समझाइश के बाद भीड़ को काबू किया जा सका। पूरी घटना समाज विशेष के युवक की हत्या को लेकर बताई जा रही है।

रात 12 बजे हुआ घटनाक्रम : दरअसल रात 12 बजे के आस-पास बाइक पर सवार दो युवक सुभाष चौक इलाके में स्थित रावल जी का बाग इलाके से होकर गुजर रहे थे। इस दौरान बाइक की गति कुछ तेज थी। तभी एक अन्य बाइक सवारों की टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में झगड़ा हुआ तो कॉलोनी के लोग वहां आ गए। भीड़ बढ़ती देख एक बाइक सवार तो बाइक लेकर वहां से चला गया, लेकिन दूसरी बाइक जिस पर इकबाल और उसका साथी सवार था, उसे लोगों ने घेर लिया।

आरोप है कि इकबाल और कॉलोनी

वालों में झगड़ा हो गया। इस झगड़े के दौरान इकबाल व उसके साथी को पीटा गया। इससे इकबाल की अस्पताल में मौत हो गई। वह रामगंज इलाके के नजदीक फूटा खुर्रा इलाके का रहने वाला बताया गया है। उस पर हमला करने वाले युवक मेहरा बस्ती, सुभाष चौक के बताए जा रहे हैं।

लोगों ने थाना घेर लिया : कॉलोनी में हो रही मारपीट के बारे में कॉलोनी के ही किसी व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी। सुभाष चौक पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उधर इकबाल पक्ष के लोग व समाज विशेष के लोग जुटने लगे। हालात ये हो गए कि सुभाष चौक थाने के बाहर भी काफी भीड़ हो गई। लोगों ने थाना घेर लिया। इस बीच पत्थरबाजी होने की बात भी सामने आई। हालांकि इसकी पुष्टि पुलिस ने नहीं की है। थाने के घेराव की सूचना पाकर देर रात डीसीपी नॉर्थ, एडिशनल कमिश्नर, रामगंज थाने, माणक चौक थाने, ब्रह्मपुरी थाना और लाइन से भी जाब्ता मौके पर पहुंचा। बताया जा रहा है कि देर रात ही एसटीएफ की भी एक छोटी टुकड़ी को बुलाया गया।

सवेरे से भारी पुलिस बंदोबस्त : उधर इस घटना के बाद अब रावल जी का बाजार, गंगापोल और आसपास के इलाके में भारी पुलिस बंदोबस्त है। बताया जा रहा है कि जिन घरों के बाहर निजी सीसीटीवी कैमरे लगे हुए थे, पुलिस उन तक की सीडीआर अपने साथ ले गई, ताकि किसी तरह के कोई वीडियो या फुटेज वायरल नहीं हों। दरअसल गंगापोल और आसपास का इलाक हिंदू-मुस्लिम बहुल इलाका है। दोनों धर्म के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं। इस कारण जाब्ता तैनात किया गया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ ने दिखाई सक्रियता

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसफ ने जयपुर में शांति और सौहार्द बनाए रखने में जयपुर पुलिस की सहायता करने की अपील की । उन्होंने कहा कि चारदीवारी सहित जयपुर के हर क्षेत्र में स्थिति पूर्णतया नियंत्रण में है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस कमिश्नर ने पूरे पुलिस जाप्ते के साथ स्थिति पर नजर रखी! इलेक्शन कमिशन की बैठक छोड़ वे मौके पर पहुंचे और दूसरे बड़े अधिकारियों को साथ लेकर पूरी टीम को स्थिति पर नजर रखने के लिए सुबह 4ः00 बजे से ही माहौल गर्म होते देख मुस्तैदी बढ़ाने के आदेश दिए!

जयपुर में आज नहीं आएगा पानी

5 लाख घरों में बंद रहेगी पीने के पानी की सप्लाई

चमकता राजस्थान, जयपुर। जयपुर में आज शाम और कल सुबह होने वाली पानी की सप्लाई प्रभावित रहेगी। बीसलपुर से जयपुर आ रही लाइन में लीकेज होने के कारण पब्लिक हेल्थ एंड इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट (पीएचईडी) ने आज सुबह शटडाउन लिया है। इस दौरान बीसलपुर से पानी की सप्लाई को आज रात 9 बजे तक बंद रखा जाएगा। इसके कारण जयपुर शहर के 5 लाख घरों में आज शाम और कल सुबह होने वाली सप्लाई बंद रहेगी। पीएचईडी के अतिरिक्त मुख्य अभियंता अजय सिंह राठौड़ ने बताया- जयपुर में जयसिंहपुरा के पास 2300 एमएम व्यास की एमएस ट्रांसमिशन लाइन में लीकेज हो गया है। इसकी मरम्मत के लिए बीसलपुर परियोजना से आज सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक शटडाउन लिया है। इस शटडाउन के कारण जयपुर शहर आज शाम की पानी सप्लाई नहीं होगी। इसके साथ ही एक अक्टूबर को सुबह भी सप्लाई बंद रहेगी। उन्होंने बताया- कल शाम को पानी की सप्लाई सुचारू कर दी जाएगी।

ये इलाके रहेंगे प्रभावित

बनीपार्क, अम्बाबाड़ी, जगतपुरा, खोनागोरियान, इन्दिरा गांधी नगर, मुहाना मोड़, जामडोली, सुभाषनगर, चारदीवारी क्षेत्र के घाटगेट, बासबदनपुरा, हिंदा की मोरी, प्रतापनगर क्षेत्र, सांगानेर क्षेत्र, दुर्गापुरा, मालवीय नगर, बापूनगर, महेशनगर, बरकत नगर, सिविललाईन, ज्योतिनगर, शान्तिनगर, सिंधी कॉलोनी, आदर्शनगर, जवाहर नगर, ट्रक स्टैंड, मानसरोवर, श्याम नगर, विद्युत नगर संजय नगर, ऑफिसर कैम्पस, झोटवाड़ा, वीकेआई, विद्याधर नगर, मुरलीपुरा, शास्त्री नगर, गोपालबाड़ी और गोविंदनगर क्षेत्र में शाम की पेयजल सप्लाई बाधित रहेगी।

भारत और कनाडा के तल्खी भरे रिश्ते हो गए हैं। ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। अतीत में भी कम से कम तीन बार भारत और कनाडा के रिश्ते बिगड़े हैं। लेकिन इस बार कनाडा ने जिस तरह भारत पर घोषित खलिस्तानी आतंकी की हत्या में भारतीय एजेंट की हाथ का आरोप बिना किसी सबूत के मढ़ा है, वह भारत को आहत कर दिया है। अभी हाल जी-20 की शिखर बैठक के बाद भारत का वैश्विक कद बढ़ा है और विश्व का भारत पर भरोसा और जमा है, ऐसे में कनाडा ने बिना सिर पैर के आरोप लगा कर भारत की ग्लोबल छवि को बिगाड़ने की कोशिश की है। भारत लंबे समय से आतंकवाद से पीड़ित रहा है। पंजाब खालिस्तानी आतंकवाद से मुक्त है, ऐसे में विदेशी धरती पर किसी भी खालिस्तानी अलगावादी को हवा देना भारत के लिए असह्य है। पाकिस्तान के बाद अब कनाडा खालिस्तान अलगाववादियों का गढ़ बन रहा है, भारत के खिलाफ गतिविधियों को रोकना उन सभी देशों का फर्ज है। निज्जर हत्याकांड के बाद भारत व कनाडा विवाद पर आजकल का यह अंक...

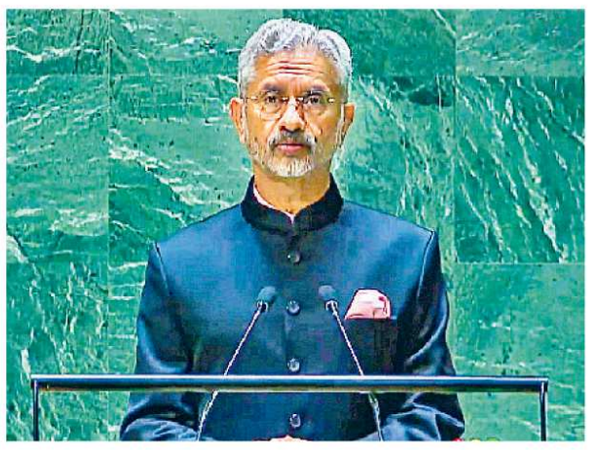

भारत की चिंता को समझे कनाडा

विश्लेषण

प्रभात कुमार रॉय
कूटनीति विशेषज्ञ

विगत कुछ वर्षों से कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथी गुटों की सक्रियता में बढ़ोतरी देखी गई है। कनाडा में बसने वाली सिख आबादी आम तौर पर खालिस्तानी चरमपंथियों की कदाचित हिमायत नहीं करती। कुछ एक फ्रिंज एलीमेंट कनाडा में खालिस्तान का परचम लहराते रहे हैं। सत्तासीन लिबरल पार्टी के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो वस्तुत सिख वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए लालायित रहे हैं। सरदार जगमीत सिंह की डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हासिल है, अतः आगामी चुनाव में कामयाबी की खातिर जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी सरगनाओं के प्रति अत्यंत नरम रुख अख्तियार किया है और यहां तक कि खालिस्तान की पैरवी करने वालो को कनाडा में बाकायदा पनाह भी प्रदान की हुई है। कनाडा का खालिस्तान मुद्दे पर भारत की चिंता को समझना चाहिए। आतंकवाद समूचे विश्व के लिए खतरा है।

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने संसद पटल पर बयान दिया कि 18 जून 2023 को कनाडा के नागरिक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को अंजाम देने में भारत के खुफिया एजेंटों का किरदार हो सकता है। इसी प्रस्थान बिंदु से कनाडा और भारत के मध्य कूटनीतिक संबंध में दरार का आग़ाज हो गया। कनाडा हुकूमत ने भारत के एक वरिष्ठ राजनयिक को देश से निष्कासित कर दिया। इसके प्रतिउत्तर में भारत ने भी कनाडा दूतावास के एक वरिष्ठ राजनयिक को देश छोड़ने का हुक्म जारी कर दिया। भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडा के लिए अपने वीजा दफ्तर को फिलहाल बंद कर दिया है। कनाडा में भारत के तकरीबन तीन लाख विद्यार्थी विभिन्न विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत और कनाडा रणनीतिक साझेदार देश हैं। दोनों देशों के मध्य अत्यंत समृद्ध व्यापारिक ताल्लुकात स्थापित हैं। वर्ष 2008 की वैश्विक आर्थिक मंदी के पश्चात वर्ष 2012 के बाद से परस्पर व्यापार में तकरीबन 70 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है।

कनाडा और भारत के मध्य व्यापार संतुलन वस्तुतः भारत के पक्ष में कायम रहा है। कनाडा की कुल चार करोड़ आबादी में तकरीबन सोलह लाख भारतीय निवास करते हैं, जिनमें तकरीबन आठ लाख भारतीय सिख धर्म के अनुयायी हैं। विगत कुछ वर्षों से कनाडा में खालिस्तान समर्थक चरमपंथी गुटों की सक्रियता में बढ़ोतरी देखी गई है। कनाडा में बसने वाली सिख आबादी आम तौर पर खालिस्तानी चरमपंथियों की कदाचित हिमायत नहीं करती। कुछ एक फ्रिंज एलीमेंट कनाडा में खालिस्तान का परचम लहराते रहे हैं। सत्तासीन लिबरल पार्टी के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो वस्तुत सिख वोट बैंक को अपने पक्ष में करने के लिए लालायित रहे हैं। सरदार जगमीत सिंह की डेमोक्रेटिक पार्टी का समर्थन जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी को हासिल है, अतः आगामी चुनाव में कामयाबी की खातिर जस्टिन ट्रूडो ने कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी सरगनाओं के प्रति अत्यंत नरम रुख अख्तियार किया है और यहां तक कि खालिस्तान की पैरवी करने वालों को कनाडा में बाकायदा पनाह भी प्रदान की हुई है। कनाडा में विगत कुछ वर्षों से पनाह लिए हुए, किंतु भारत में वांछित खालिस्तानी आतंकियों गुरिंदर सिंह पन्नु, गुरुप्रीत सिंह, गुरजीत सिंह चीमा, सनोवर सिंह ढिल्लन, सतविंदर सिंह बरार, अशदीप सिंह ढाला आदि अनेक आतंकियों का प्रत्यर्पण करने की भारत सरकार गुजारिश करती रही है।

प्रारम्भिक इबारत

उल्लेखनीय है कि भारत और कनाडा दोनों ब्रिटिश उपनिवेश रहे थे और राष्ट्रमंडल के सदस्य देश भी हैं। भारत और कनाडा के मध्य प्रगाढ़ कूटनीतिक संबंधों की प्रारम्भिक इबारत पं. जवाहरलाल नेहरू और कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री लुई सेंट लॉरेंट और लेस्टर बी पियर्सन द्वारा मिलकर लिखी गई थी। पं.जवाहरलाल नेहरू ने 24 अक्टूबर 1949 को कनाडाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। 19 जून 1973 को इंदिरा गांधी ने कनाडाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया था। कोरियाई युद्ध तथा स्वेज संकट के विकट दौर में कनाडा और भारत कूटनीतिक और नीतिगत तौर पर एकजुट रहे। भारत के लिए कनाडा सहायता कार्यक्रम 1951 में प्रारम्भ किया गया। इस सहायता योजना कार्यक्रम के तहत तकरीबन 4 अरब डॉलर की भारत को खाद्य सहायता, परियोजना वित्त परिपोषण और तकनीकी मदद उपलब्ध कराई जा चुकी है। सन 1960 के दशक में कोलंबो योजना के तहत कुंडाल हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निमार्ण में कनाडा ने तकनीकी और वित्तीय मदद उपलब्ध कराई थी।

पहली दफ़ा तल्खी

सन 1974 में पहली दफ़ा भारत और कनाडा के कूटनीतिक ताल्लुकात में तल्खी उत्पन्न हुई थी, जबकि स्माइलिंग बुद्धा के तौर पर भारत ने पोखरण में अपना प्रथम परमाणु परीक्षण अंजाम दिया था। कनाडा ने भारत पर इल्जाम आयद किया कि परमाणु परीक्षण अंजाम देकर भारत ने कोलंबो समझौते की शर्तों को ध्वस्त कर दिया। भारत के परमाणु परीक्षण के विरोध में पश्चिम के नाटो देशों के साथ मिलकर कनाडा ने भी भारत के विरुद्ध अपना सुर में सुर मिलाया था।

दूसरी बार दरार

कनाडा और भारत के ताल्लुकात में दूसरी दफा दरार पड़ी थी, वर्ष 1985 में। स्मरण कीजिए 23 जून सन 1985 का दर्दनाक दिवस, जबकि एयर इंडिया के यात्री विमान कनिष्क की फ्लाइट 182, जोकि कनाडा से मुंबई आ रही थी, इस फ्लाइट का खालिस्तानी आतंकियों ने विस्फोट द्वारा विध्वंस कर दिया गया था। आयरिश हवाई क्षेत्र में एयर इंडिया विमान के इस भयानक विध्वंस में 329 बेगुनाह यात्रियों की मौत हो गई थी। हलाक हुए यात्रियों में 268 कैनेडियन और 24 भारतीय नागरिक थे। गहरे आयरिश गहन समंदर से केवल 131 यात्रियों के शवों को निकाला जा सका था। कनाडा में कनिष्क विमान के विध्वंस की तहकीकात अंजाम दी गई। बब्बर खालसा गिरोह के आतंकवादी सरगना तलविंदर सिंह परमार को कनाडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। इसके पश्चात खालिस्तानी आतंकवादी इंदरजीत सिंह रियत को भी साजिश के तहत गिरफ्तार किया गया। भारत सरकार द्वारा तलविंदर सिंह परमार और इंदरजीत सिंह रियत का प्रत्यर्पण कराने की भरसक कोशिशें की गई। दुर्भाग्यवश कनाडा सरकार ने गिरफ्तार आतंकी सरगनाओं का प्रत्यर्पण करने से बाकायदा इनकार कर दिया। अंततः इन दोनों आतंकी सरगनाओं को कनाडा कोर्ट ने रिहा कर दिया। खालिस्तानी आतंकियों के प्रत्यर्पण के प्रश्न पर कनाडा और भारत के कूटनीतिक रिश्तों में गंभीर दरार पड़ गई थी, जिसकी प्रतिछाया परस्पर संबंधों पर तकरीबन एक दशक तक कायम बनी रही। कनिष्क एयर इंडिया विध्वंस का मुख्य साजिशकर्ता सरगना तलविंदर सिंह परमार सुरक्षा बलों द्वारा पंजाब में वर्ष 1991 में मौत के घाट उतार दिया गया। बाद में इंदरजीत सिंह रियात को भी हलाक कर दिया गया।

परमाणु परीक्षण पर रार

सन 1998 में पोखरण में भारत द्वारा जब अपना दूसरा परमाणु परीक्षण अंजाम दिया गया तो फिर से तीसरी दफा भारत और कनाडा के मध्य तल्ख कूटनीतिक दरार उत्पन्न हुई। भारत पर आर्थिक प्रतिबंध आयाद करने वाले अमेरिका की कयादत में पश्चिमी देशों की कतार में कनाडा भी खड़ा हुआ था। 9-11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर अंजाम दिए गए नृशंस जिहादी आक्रमण के तत्पश्चात अंततोगत्वा अमेरिका के साथ भारत के संबंध सहज होने लगे तो फिर कनाडा के साथ भी भारत के कूटनीतिक रिश्तों में आई तल्खी भी तकरीबन खत्म हो गई। विगत दो दशक से कनाडा और भारत के मध्य ताल्लुकात में प्रगाढ़ता स्थापित हुई। तकरीबन प्रत्येक क्षेत्र में कनाडा और भारत के मध्य परस्पर सहयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है। सिख वोट बैंक के प्रबल आकर्षण में जस्टिन ट्रूडो वस्तुतः कनाडा में खालिस्तानी फितरत के सरगनाओं का समर्थन करने लगे हैं। इसी जटिल प्रश्न पर भारत व कनाडा के कूटनीतिक श्ति में तल्ख दरार उत्पन्न हो गई है।

भारत का परहेज

भारत के विदेश मंत्री एस.जयशंकर संयुक्त राष्ट्र में अपनी 25 मिनट की तक़रीर में कनाडा का उल्लेख तक नहीं किया, क्योंकि परस्पर ताल्लुकात की किसी कटुता को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर प्रकट करने से भारत प्रायः परहेज करता रहा है। बाद में न्यूयॉर्क के कार्यक्रम में जिसका संचालन भारत में अमेरिका के राजदूत रह चुके केनेथ जस्टर कर रहे थे, भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि इस तरह की हत्या अंजाम देने की फितरत और नीति भारत की कदाचित नहीं रही है।

खुफिया इनपुट पर बयान

कनाडा में अमेरिका के राजदूत डेविड कोहन का कहना है कि फाइव आइज इंटेलिजेंस एलायंस से प्राप्त साझा खुफिया जानकारी के आधार पर जस्टिन ट्रूडो ने संसद में बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि फाइव आइज इंटेलिजेंस एलायंस में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, कनाडा और न्यूजीलैंड की शिरकत है। भारत पर संगीन इल्जाम आयद करने के तत्पश्चात जस्टिन ट्रूडो ने भारत के साथ सकारात्मक सहयोग जारी रखने के लिए एक और बयान जारी किया है। जस्टिन ट्रूडो इस बयान की पृष्ठभूमि में स्पष्ट कारण विद्यमान है कि पश्चिमी देशों के लिए रणनीतिक और सामरिक नजरिए से भारत अत्यंत महत्वपूर्ण राष्ट्र है। जस्टिन ट्रूडो को भारत के विरुद्ध पश्चिमी देशों का कतई समर्थन प्राप्त नहीं हुआ और वह कूटनीतिक तौर पर अलग-थलग पड़ने लगे हैं। कनाडा को खालिस्तान मुद्दे पर भारत की चिंता को गंभीरता से लेना होगा। आरोप मढ़ना ठीक नहीं है।

खालिस्तानियों की पैरोकारी आत्मघाती

कनाडा

सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

पत्रकारिता की शुरुआत में ही मुझे खालिस्तानी उग्रवाद और सिखों के नरसंहार सरीखी घटनाएं कवर करनी पड़ीं। आतंकवाद और अलगाववाद का पहला पाठ मैंने उन्हीं घटनाओं के जरिये पढ़ा। उस दौर में पंजाब जाना बेहद खतरनाक था। बसों में बम-विस्फोट होते थे और देखते ही देखते लाशें बिछ जाती थीं। पंजाब के जालंधर, लुधियाना, तरनतारन जैसे शहरों की गलियों में मैंने नंगी तलवारें भांजते नौजवानों को देखा था। पंजाब से सटे हरियाणा के कुछ इलाके भी उतने ही खतरनाक थे। वहां भी उग्रवादी हमले किए जा रहे थे। हालांकि तब भी करीब 98 फीसदी पंजाबी सिख और हिन्दू 'भारतीय' थे और देश के संविधान, संसद और सरकार में उनकी पूरी आस्था थी, लेकिन उनके समानांतर 'जयचंद' और 'मीर जाफर' उस दौर में भी थे। मैंने तत्कालीन महत्वपूर्ण मंत्रियों के आवास में खालिस्तानी उग्रवादियों को देखा था। वे मंत्री और उग्रवादी आज दिवंगत हैं। राष्ट्रीय आस्था और सुरक्षा के मद्देनजर मैं उन संवैधानिक चेहरों का खुलासा नहीं कर सकता। यदि पंजाब में खालिस्तान को किसी ने समूल उखाड़ फेंका है अथवा पंजाब के विभाजन को रोका है, तो उसका संपूर्ण श्रेय तत्कालीन 'सुपर कॉप' केपीएस गिल को जाता है। सरकारों को उन्हें खुली छूट देनी पड़ी। पूरी रणनीति उनकी थी कि कहां, किस खाड़कू को, किस तरह मुठभेड़ में ढेर करना है। हम कुछ पत्रकारों को ऐसी मुठभेड़ों की सूचनाएं पहले ही मिल जाया करती थीं। पंजाब का वह दौर भयानक था।

मंसूबे कामयाब हो सकते

मैं पाठकों के जरिए देश को आश्वस्त करना चाहता हूं कि न तो खालिस्तान बन सका, न ही कोई साजिशें रच कर खालिस्तान बनवा सकता है और न ही कनाडा-पाकिस्तान के मंसूबे कामयाब हो सकते हैं, लेकिन खालिस्तान-समर्थक तत्व आज भी सक्रिय हैं। आज भी पंजाब में उग्रवादी हमलों के साये मंडराते रहते हैं। पंजाब से एक लोकसभा सांसद ने खुद पुष्टि की है कि वह पंजाब की व्यवस्था से नाराज़ और लंबे वक्त से बेरोज़गार लोगों को एक खास चिट्ठी लिख कर देते हैं। उसके आधार पर उन्हें कनाडा का वीजा मिलना आसान हो जाता है। चिट्ठी लिखवाने वाले पैंतीस हजार रुपये से एक लाख रुपये या डेढ़-दो लाख रुपये तक का चंदा उस सांसद की पार्टी को देते हैं। ऐसे लोगों को कनाडा में प्लंबर, ड्राइवर, सेवादार, मैकेनिक, पाठी और रागी आदि के काम दिलवा दिए जाते हैं, लेकिन उन्हें खालिस्तान के भारत-विरोधी अभियानों में शामिल भी होना पड़ता है। कनाडा में ऐसे 30 गुरुद्वारे बताए जाते हैं, जिनका पूरा नियंत्रण खालिस्तानियों के कब्जे में है। भारत के पंजाब से जाने वाले चिट्ठीधारक लोगों को इन गुरुद्वारों में ही रहने-ठहरने की जगह मिलती है। धीरे-धीरे खालिस्तान-समर्थकों की एक 'फौज' खड़ी हो गई है। उन्हें बाद में कनाडा की नागरिकता भी दे दी जाती है। ये खालिस्तानी ही भारतीय दूतावासों और संस्थानों पर धावा बोल कर प्रदर्शन करते हैं, लेकिन कनाडा सरकार कोई कारगर कार्रवाई नहीं करती। कनाडा में जिस गुरुद्वारे के बाहर खालिस्तानी उग्रवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की गई, वह भी खालिस्तानियों के कब्जे में है। उस गुरुद्वारे पर खालिस्तान का कथित झंडा लहरा रहा है। कुछ पोस्टर, बैनर भी लगे हैं। भारतीय उच्चायुक्त और वाणिज्य दूतावास प्रमुख की हत्याओं का आह्वान किया गया है।

अर्थव्यवस्था की बुनियाद

दरअसल उग्रवाद और आतंकवाद को लेकर कनाडा 'दूसरा पाकिस्तान' सरीखा ही है। 'सिख फॉर जस्टिस' के नेता गुरपतवंत सिंह ने सभी हिन्दुओं को वापस भारत चले जाने की धमकी दी है। उसने क्रिकेट के विश्व कप के दौरान भी हमले का

ऐलान किया है। भारतीय छात्र और अन्य अनिवासी भारतीय कनाडा की अर्थव्यवस्था की बुनियाद हैं। दरअसल खालिस्तानी उग्रवादी कनाडा की मजबूरी भी बन गए हैं। प्रधानमंत्री ट्रूडो अल्पमत में हैं, लेकिन खालिस्तान समर्थक पार्टी के 24 सांसदों के सहारे उन्हें बहुमत हासिल है और वह सत्ता में टिके हैं। खालिस्तानी कनाडा में ही नहीं, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया में भी बसे हैं। उन देशों में भी वे साजिशें रचते हैं कि भारतीय पंजाब में कैसे अस्थिरता फैलाई जाए। इस दौर का अमृतपाल सिंह भी 'दूसरा भिंडरावाला' बनकर पंजाब में सक्रिय हुआ था, लेकिन उसे और साथियों को जेल में ठूंस दिया गया है। भिंडरावाला के दौर में भी खालिस्तानी खाड़कुओं को कनाडा के साथ-साथ पाकिस्तान में भी लगातार पनाह दी जाती रही। अब पाकिस्तान में सक्रिय खालिस्तानी दहशत के खौफ में हैं, क्योंकि भारत ने खाड़कू करणवीर सिंह के खिलाफ 'इंटरपोल' का रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवा दिया है। खुफिया लीड हैं कि पाकिस्तान की जासूस एजेंसी आईएसआई ने खालिस्तानी आतंकियों की पनाह के लिए, ईरान की पश्चिमी सीमा पर, सेना मुख्यालय के एक हिस्से में ही, 'सेफ हाउस' बना रखा है। करीब 15 बड़े आतंकियों में से 12 को 'सेफ हाउस' में पनाह दी गई है। आजकल कई खालिस्तानी आतंकियों का 'अंतरराष्ट्रीय बेस' पाकिस्तान में ही है। क्या इस संदर्भ में कनाडा पाकिस्तान बनने की राह पर तो नहीं है? कनाडा के अलावा, ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भी पजाब के भटके नौजवानों को 'राजनीतिक शरण' दी जाती रही है। क्या इन देशों ने भारत से कभी पूछा है कि ऐसे चेहरों को 'राजनीतिक शरण' किस आधार पर दी गई? वैसे ये देश खुद को भारत का 'जिगरी दोस्त' कहते नहीं थकते!

यक्ष प्रश्न

खालिस्तान भारतीय पंजाब में कब उभरा? भिंडरावाला जैसे उग्रवादियों को किसने पनाह और प्रश्रय दिए? खालिस्तानी अमृतसर के पवित्र 'स्वर्ण मंदिर' के भीतर तक कैसे घुस गए और 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' करना पड़ा? प्रतिक्रिया में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के सुरक्षाकर्मियों ने ही उनकी हत्या कर दी। उसकी प्रतिक्रिया में सिखों के खिलाफ नरसंहार और दंगे फूट पड़े, जिनमें करीब 3000 मासूमों की हत्या कर दी गई। मैं आज उन सभी मुद्दों को नहीं उठा रहा हूं, क्योंकि देश जानता है। ताज़ा विवाद कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो के संसद में दिए गए बयान के बाद फैला है कि कनाडा के नागरिक निज्जर की हत्या भारतीय एजेंसियों ने करवाई है। हालांकि उनके तेवर बहुत ढीले पड़ चुके हैं और वह बार-बार भारत को 'अंतरराष्ट्रीय ताकत' मान रहे हैं, लिहाजा उसके साथ काम करते रहना चाहते हैं, लेकिन उग्रवादी की हत्या को लेकर उन्होंने कोई ठोस प्रमाण किसी भी देश के सामने नहीं रखे हैं। अलबत्ता जांच में भारत के सहयोग की गुहार करते रहे हैं।

कूटनीतिक तनाव बढ़ा

दोनों देश राजनयिकों पर अपना गुस्सा निकाल रहे हैं, लिहाजा कूटनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। भारत ने फिलहाल वीजा सेवाओं को रोक दिया है। हमारे विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की आम सभा में कनाडा का नाम लिये बिना ही कहा कि राजनीतिक सुविधा के लिए आतंकवाद का इस्तेमाल करना गलत है। इधर, भारत की खुफिया और सुरक्षा एजेंसियों ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी के नेतृत्व में बैठक की है। वे अब आक्रामक और लामबंद हो चुकी हैं। एनआईए ने रॉ, आईबी और राज्यों के एटीएस प्रमुखों के साथ मिल कर खालिस्तान समर्थक 19 उग्रवादियों की सूची तैयार की है। उनकी पंजाब में संपत्तियां भी जब्त की जा रही हैं। भारत सरकार लंबे अंतराल से कनाडा सरकार को आगाह करती रही है कि कनाडा खालिस्तान का 'दूसरा घर' बन चुका है, लेकिन मौजूदा विवाद किसी निष्कर्ष तक पहुंचता दिखाई नहीं दे रहा।

पैरोकारी 'आत्मघाती'

खालिस्तान की पैरोकारी कनाडा और प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के लिए 'आत्मघाती' साबित हो सकती है। यह उग्रवाद और अलगाववाद, अंततः, आतंकवाद ही है। कनाडाई प्रधानमंत्री ने विश्व संगठनों के घोषणा-पत्रों पर हस्ताक्षर भी किए होंगे, जिनमें आतंकवाद का मुद्दा भी शामिल रहा है। खालिस्तान से भारत और पंजाब को कोई खतरा नहीं है। खालिस्तानी उग्रवादियों पर अनपेक्षित हमले भी कराए जा सकते हैं, लेकिन अमेरिका समेत सभी प्रमुख यूरोपीय देशों को इस मुद्दे पर अपनी रणनीति साफ करनी चाहिए, क्योंकि खालिस्तान समर्थक विरोध-प्रदर्शन 'अभिव्यक्ति की आज़ादी' और 'मानवाधिकार' के तहत उन देशों में भी आयोजित किए जाते रहे हैं। भारत के कंसर्न पर ये सभी देश आंख नहीं मूंद सकते।

क्या है भारत-कनाडा विवाद

पूरा विवाद 18 सितंबर की सुबह शुरू हुआ। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कनाडाई संसद में बयान दिया कि कनाडा में मारे गए खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट का हाथ हो सकता है। उन्होंने कहा कि कनाडा की एजेंसियों ने पुख्ता तौर पर इसका पता लगाया है। ट्रूडो ने भारत पर कनाडा की संप्रभुता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया और कहा कि उनकी जमीन पर कनाडाई नागरिक की हत्या के पीछे बाहर की सरकार का होना अस्वीकार्य है। इन आरोपों के बाद भारतीय राजनयिक पवन कुमार राय को निष्कासित कर दिया। इस पर भारत सरकार की तुरंत प्रतिक्रिया आई। भारत ने कनाडा के आरोपों को 'बेतुका' बताते हुए खारिज कर दिया। भारत ने बयान जारी कर बताया कि इस तरह के आरोपों का कोई आधार नहीं है और ये खालिस्तानी आतंकवादियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इसके बाद भारत ने भी कनाडा के एक डिप्लोमैट को निष्कासित कर दिया। भारत ने कनाडा से सबूत भी मांगे, पर कनाडा ने नहीं दिए। इस पूरे विवाद पर कनाडा के विपक्ष ने भी जस्टिन ट्रूडो पर सवाल उठाया और तथ्यों को रखने की मांग कर दी। कनाडा की कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोइलिवरे ने मीडिया से कहा कि खालिस्तानी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के आरोपों पर कनाडा सरकार को सभी तथ्य उपलब्ध कराने चाहिए। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। कनाडा में सिखों की आबादी आठ लाख के आसपास है। इसलिए तनाव बढ़ने के बाद भारत सरकार ने वहां रह रहे भारतीयों के लिए सावधानी बरतने की अपील की। 20 सितंबर को विदेश मंत्रालय ने एक एडवाइजरी जारी की। इसमें कहा गया कि कनाडा में भारत-विरोधी गतिविधियों, राजनीतिक अनदेखी के चलते बढ़ते हेट क्राइम और आपराधिक हिंसा को देखते हुए वहां मौजूद सभी भारतीय नागरिकों और यात्रा करने वाले लोगों से आग्रह किया जाता है कि वो अत्यधिक सावधानी बरतें। ये भी बताया गया कि हाल में उन भारतीय राजनयिकों और भारतीयों को टारगेट किया गया है, जो भारत-विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं। इसलिए सलाह दी जाती है कि वे कनाडा के उन इलाकों की यात्रा करने से बचें, जहां ऐसी घटनाएं देखी गई हैं।

तनाव इतना बढ़ गया कि भारत ने 21 सितंबर को कनाडा के नागरिकों को वीजा देने पर रोक लगा दी। 21 तारीख को ही भारत सरकार ने टीवी चैनलों के लिए भी एक एडवाइजरी जारी कर दी। ये एडवाइजरी संविधान के आर्टिकल 19(2) और केबल टेलीविजन नेटवर्क एक्ट 1995 के सेक्शन 20 (2) के तहत जारी की गई, इसमें. कहा गया है कि टीवी चैनल किसी ऐसे व्यक्ति को अपने मंच पर जगह न दें जिसके खिलाफ गंभीर अपराध और आतंकवाद के आरोप हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने बताया कि उसके संज्ञान में ये बात आई है कि ऐसे व्यक्ति, जिसके खिलाफ आतंकवाद के गंभीर आरोप हैं उसे टीवी चैनल पर एक चर्चा में बुलाया गया और उसने कई ऐसे बयान दिए जो देश की संप्रभुता और सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाला है।

भारत व कनाडा विवाद पर दुनिया भर की नजर है, क्योंकि कनाडा नाटो और जी-7 का भी सदस्य है। कनाडा 'फाइव आइज' इंटेलिजेंस गठबंधन का भी सदस्य है। इस समझौते में कनाडा के अलावा ब्रिटेन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड शामिल हैं। ये पांचों देश फाइव आइज़ पैक्ट के तहत एक दूसरे से खुफिया जानकारियां शेयर करते हैं। जस्टिन ट्रूडो ने 21 सितंबर को आरोपों को दोहराया और कहा कि भारत को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

राजनीतिक संबंध

भारत ने कनाडा के साथ अपनी स्वतंत्रता के तुरंत बाद वर्ष 1947 में राजनयिक संबंध स्थापित किये थे। भारत और कनाडा के बीच लोकतंत्र, मानवाधिकार, विधि का शासन और बहुलवाद जैसे साझा सिद्धांतों पर आधारित दीर्घकालिक द्विपक्षीय संबंध रहा है।

आर्थिक सहयोग

'इन्वेस्ट इंडिया' के अनुसार, अप्रैल 2000 से मार्च 2023 तक लगभग 3,306 मिलियन डॉलर के कुल निवेश के साथ कनाडा भारत में 18वां सबसे बड़ा विदेशी निवेशक है। 600 से अधिक कनाडाई कंपनियां भारत में उपस्थिति रखती हैं और 1,000 से अधिक कनाडाई कंपनियां भारतीय बाज़ार में सक्रिय रूप से कारोबार कर रही हैं। दोनों देश एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए)के लिये तकनीकी वार्ता में संलग्न हैं, जिनमें वस्तुओं एवं सेवाओं का व्यापार, निवेश व व्यापार सुविधा जैसे विषय शामिल हैं। कनाडा में अध्ययनरत भारतीय छात्र कनाडा में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की कुल आबादी का लगभग 40 फीसदी हैं।

विज्ञान व अंतरिक्ष

भारत के पृथ्वी विज्ञान विभाग और पोलर कनाडा ने शीत जलवायु (आर्कटिक) अध्ययन पर ज्ञान के आदान-प्रदान और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिये एक कार्यक्रम शुरू किया है। इसरो और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी ने बाह्य अंतरिक्ष के अन्वेषण एवं उपयोगिता पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किये हैं। इसरो की वाणिज्यिक शाखा एंट्रिक्स ने कनाडा के लिये कई नैनो उपग्रह लॉन्च किये हैं। हाल के वर्षों में, ऐसी ख़बरें आई हैं कि भारतीय छात्रों को कनाडा में अध्ययन करने के लिये वीज़ा प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जिससे भारत में असंतोष पैदा हुआ है और चिंताएं बढ़ी हैं।

आगे की राह

खालिस्तान के मुद्दे को हल करना होगा। उभरती प्रौद्योगिकियों, नवीकरणीय ऊर्जा और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों को शामिल करने के लिये पारंपरिक क्षेत्रों से परे व्यापार का विस्तार सहयोग एवं आर्थिक विकास के लिए नए अवसरों के द्वार खोल सकता है। भारत और कनाडा दोनों को राजनीतिक रूप से विवादास्पद मुद्दों का हल कर आगे बढ़ते हुए सहयोग पर ध्यान देना चाहिए।

वॉशिंगटन में 100 से अधिक देशों के लाखों लोगों की उपस्थिति में विश्व संस्कृति महोत्सव शुरू, विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा

वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ मंच पर आना होगा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अमेरिका में हो रहे विश्व संस्कृति महोत्सव में वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया को मिलकर लड़ने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन और आर्थिक प्रगति जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी रूप से नहीं निपटा जा सकता। इसलिए विश्व को एक साथ लाना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। इस महोत्सव का चौथा संस्करण अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के ऐतिहासिक नेशनल मॉल में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन दिन में 100 से अधिक देशों के 10 लाख से अधिक लोगों के इस विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने और 180 से ज्यादा देशों के 17,000 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुति देखने की संभावना है। जयशंकर ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' को बधाई देते हुए कहा कि वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के मार्गदर्शन में 'हम सभी को एक साथ लेकर आयी है।' उन्होंने कहा कि जब 'मैं अपने आसपास देखता हूं' तो यह वैश्विक विचार और अंतरराष्ट्रीय समझ स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि मानवता सही मायने में एक विविध समूह है और इसे संस्कृति, परंपरा, विरासत और पहचान के जरिए व्यक्त किया जाता है। उन्होंने कहा, 'जलवायु परिवर्तन, आर्थिक प्रगति या सामाजिक कल्याण जैसी बड़ी चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी तरीके से नहीं निपटा जा सकता।'

आज दुनिया अधिक लोकतांत्रिक बन गई, परस्पर सम्मान भी बढ़ गए

जयशंकर ने कहा, 'दुनिया को एक साथ लाना और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस रुख के साथ भारत ने जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभाली और हमारी थीम : एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब और एक भविष्य आज सांस्कृतिक रूप से हमारे सामने बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत है।' उन्होंने कहा कि दुनिया अधिक लोकतांत्रिक बन गई है और उनके बीच परस्पर सम्मान आनुपातिक रूप से बढ़ गए हैं।

प्रौद्योगिकी ने करीब आने का मौका दिया

विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण और प्रौद्योगिकी ने हमें बेहतर तरीके से एक-दूसरे को जानने में मदद की है। दुनिया का कोई हिस्सा, कोई व्यक्ति, कोई विचार प्रक्रिया, कोई संस्कृति आज दूर नहीं मानी जाती लेकिन चूंकि हमारा सामूहिक जीवन अधिक गहन हो गया है तो यह भी अधिक सामंजस्यपूर्ण और अधिक सहयोगात्मक होना चाहिए।

मानवता की अच्छाई में अपने विश्वास की पुष्टि करें

श्री श्री रविशंकर ने चुनौतियों का व्यावहारिक ढंग से सामना करने और बेहतर भविष्य का सपना देखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'आइए एक बार फिर मानवता की अच्छाई में अपने विश्वास की पुष्टि करें। समाज में सद्भावना और अच्छा करने की चाहत बहुत है।'

संस्कृति पुल बनाती है

संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव बान की मून ने कहा कि संस्कृति पुल बनाती है। संस्कृति दीवारें तोड़ती है, संस्कृति संवाद और परस्पर समझ से दुनिया को एक साथ लाती है। संस्कृति लोगों तथा देशों के बीच एकता तथा सौहार्दता बढ़ाती है। संस्कृति सभी वैश्विक नागरिकों के बीच प्रभावशाली आदान-प्रदान पैदा कर सकती है।

खबर संक्षेप

जम्मू-कश्मीर के सभी गांव ओडीएफ प्लस हुए

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के सभी 285 ब्लॉक के 6650 गांवों को ओडीएफ-प्लस घोषित कर दिया गया है।

ओडीएफ-प्लस गांव ऐसा गांव होता है जहां हर घर में शौचालय होते हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि यह उपलब्धि नागरिकों के जीवन में सुधार के लिए सभी के प्रयासों को दिखाती है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत यह बड़ी उपलब्धि है। यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह प्रत्येक गांव में गंदे पानी और कचरे का खात्मा करेगा और एक बेहतर माहौल बनाएगा।

यूक्रेन के इलाकों को रूस में मिलाएंगे

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस द्वारा कब्जाए गए यूक्रेनी इलाकों के लोग, रूस के साथ मिलना चाहते हैं।

हालिया स्थानीय चुनाव से यह साफ हो गया है। पुतिन ने बीते साल इन इलाकों में हुए जनमत का भी हवाला दिया। हालांकि उन जनमत को पश्चिमी देशों ने अवैध करार दिया था। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक वीडियो संदेश जारी किया। वीडियो संदेश में पुतिन ने कहा कि रूस में शामिल होने का विकल्प इस महीने के स्थानीय चुनाव से मजबूत हुआ है, जिनमें उन लोगों

धरती से 9.2 लाख किमी दूर पहुंचा आदित्य-एल1

नई दिल्ली। भारत के सूर्यमिशन को लेकर इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) ने ट्वीट कर बताया कि आदित्य-एल1 मिशन के तहत भेजा गया अंतरिक्ष यान पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र से सफलतापूर्वक निकलकर 9.2 लाख किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुका है। अंतरिक्ष यान अपने नए घर लैग्रेंज प्वाइंट 1 की ओर बढ़ रहा है। अब ये यान सन-अर्थ लैग्रेंज प्वाइंट 1 की ओर रास्ता तलाश रहा है। ये दूसरी बार है, जब इसरो अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के प्रभाव क्षेत्र के बाहर भेज सका।

भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे में जाने से रोकना खालिस्तानियों को पड़ेगा भारी

ब्रिटेन ने भारत को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का दिया आश्वासन

एजेंसी ▶▶ लंदन

- ब्रिटेन ने भारत की नाराजगी को गंभीरता से लिया
- गुरुद्वारा समितियों में भारतीय राजनयिकों के प्रति सम्मान

भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे में जाने से रोकना खालिस्तानी समर्थकों को भारी पड़ेगा। भारत द्वारा मामले में नाराजगी जताए जाने के बाद ब्रिटिश सरकार एक्शन लेने की तैयारी कर रही है।

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को स्कॉटलैंड के एक गुरुद्वारे में जाने से रोकना खालिस्तानी समर्थकों को भारी पड़ेगा। भारत द्वारा मामले में नाराजगी जताए जाने के बाद ब्रिटिश सरकार एक्शन लेने की तैयारी कर रही है। पूरे मामले को ब्रिटिश सरकार ने गंभीरता से लेते हुए भारत को आश्वस्त किया है कि अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी को स्कॉटलैंड के ग्लासगो में दो खालिस्तानी कट्टरपंथियों ने एक गुरुद्वारे में प्रवेश करने से रोक दिया था।

पुलिस समय पर मौके पर पहुंच गई और ब्रिटेन ने भारत को अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया। घटना के बाद भारत ने ब्रिटेन के विदेश कार्यालय के समक्ष राजनयिकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया। सूत्रों ने कहा कि ब्रिटेन में गुरुद्वारा समितियों में भारतीय राजनयिकों के लिए बहुत अच्छी समझ और पारस्परिक सम्मान है और उच्चायुक्त वहां नियमित तौर पर आते भी हैं। उन्होंने यह भी साफ किया कि वीडियो में दिख रहे दो कट्टरपंथी व्यक्ति गुरुद्वारा समिति का हिस्सा नहीं हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कट्टरपंथी व्यक्ति गुरुद्वारा प्रशासन के नहीं

ब्रिटेन के अधिकारियों ने कहा, 'ग्लासगो में गुरुद्वारा ने एक समारोह के लिए उच्चायुक्त दोराईस्वामी को आमंत्रित किया, लेकिन किसी तरह इन दो कट्टरपंथी लोगों को इसके बारे में पता चला गया।

दो कट्टरपंथी व्यक्तियों का गुरुद्वारा प्रशासन से कोई लेना-देना नहीं था। उच्चायुक्त गुरुद्वारे में जाकर समारोह को खराब नहीं करना चाहते थे इसलिए उन्होंने कार से नहीं उतरने का फैसला किया।'

सूत्रों ने कहा कि भारतीय दूत के जाने के बाद भी, गुरुद्वारा अधिकारियों ने उनसे वापस आने का अनुरोध किया, लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते दोराईस्वामी कार्यक्रम में शामिल नहीं हो सके। कनाडा ने कभी भी भारतीय पक्ष की चिंताओं को गंभीरता से नहीं लिया, जबकि ब्रिटेन ने पहले दिन से ही इन समूहों के खिलाफ कार्रवाई की है और मामले को गंभीरता से लिया है।

जयशंकर ने कनाडा पर बोला हमला

ट्रूडो का आतंकवादियों के प्रति नरम रवैया, हम पर गलत आरोप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि कनाडा चरमपंथी तत्वों को पनाह देता है। जो कहीं से भी सही नहीं है। उन्होंने कनाडा के पीएम ट्रूडो के आरोपों पर कहा कि कनाडा ने जिस तरह के आरोप भारत पर लगाए हैं वो कहीं से भी भारत की पॉलिसी के तहत नहीं आते हैं। ऐसे में भारत पर लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं।

वाशिंगटन के हडसन इंस्टीट्यूट में जयशंकर ने कहा कि कनाडा का आतंकवादियों, चरमपंथियों और खुले तौर पर हिंसा की वकालत करने वाले लोगों के प्रति उदार रवैया है। कनाडा की राजनीति की मजबूरियों के कारण ही उन्हें कनाडा से ऐसी गतिविधियों को संचालित करने के लिए जगह दी गई है। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनयिक कनाडा में असुरक्षित हैं। जयशंकर ने सवाल पूछते हुए कहा कि जो कनाडा में हो रहा है, अगर वह किसी अन्य देश में हो तो दुनिया की क्या प्रतिक्रिया होगी। उन्होंने कहा कि कोई भी घटना अलग नहीं होती और कोई भी घटना समग्र नहीं होती। हर चीज का एक संदर्भ होता है और वहां कई समस्याएं होती हैं। लेकिन एक बड़ा मुद्दा है। भारत के लिए, कनाडा एक ऐसा देश रहा है जहां भारत से संगठित अपराध लोगों की तस्करी, अलगाववाद, हिंसा, आतंकवाद के साथ मिश्रित है। मुझे लगता है कि इस मुद्दे को उजागर किया जाना चाहिए।

कनाडा बन गया 'हत्यारों' का पनाहगाह

ढाका। बांग्लादेश के विदेश मंत्री एके अब्दुल मोमेन ने कहा है कि कनाडा 'हत्यारों' की पनाहगाह बन गया है। अब्दुल मोमेन ने कहा कि बांग्लादेश के संस्थापक और पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान और उनके परिवार के अधिकतर सदस्यों की हत्या के मामले में मुख्य अपराधी एस.एच.एम.बी. नूर चौधरी 1996 से कनाडा में रह रहे हैं, लेकिन कनाडा उनके प्रत्यर्पण के मामले में सहयोग नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा, 'कनाडा को हत्यारों को अपने देश में पनाह नहीं देनी चाहिए। हत्यारे कनाडा जाकर वहां शरण लेते हैं और अच्छी जिंदगी जीते हैं जबकि जिनकी वो हत्या करते हैं उनके परिजन मुश्किल में जीवन गुजारते हैं।'

भारत बढ़ती हुई आर्थिक शक्ति... ट्रूडो के बदले सुर

मॉन्ट्रियल। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा है कि कनाडा अभी भी भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा है कि भारत एक बढ़ती हुई आर्थिक शक्ति और महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक खिलाड़ी है। जैसा कि हमने पिछले साल अपनी इंडो-पैसिफिक रणनीति में कहा था कि हम भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाने को लेकर बहुत गंभीर हैं। भारत के दुनिया भर में बढ़ते प्रभाव की ओर इशारा करते हुए ट्रूडो ने कहा कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि कनाडा और उसके सहयोगी विश्व मंच पर भारत के बढ़ते महत्व को देखते हुए उसके साथ रचनात्मक और गंभीरता से जुड़ते रहें।

उज़्बेक फिल्म निर्माता लेंगे प्रशिक्षण

भारत-उज्बेक के सांस्कृतिक संबंधों को मिलेगी मजबूती

एजेंसी ▶▶ ताशकंद

ताशकंद इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का उज्बेकिस्तान में आयोजन किया जा रहा है। सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने संस्कृति मंत्री शओज़ोडबेक से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच पारंपरिक मित्रता और सहयोग की चर्चा की। फिल्म निर्माण तथा संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने की जरूरत पर सहमति जाहिर की।

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था मजबूत हुई

डॉ. मुरुगन ने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रभावशाली नेतृत्व में भारत सरकार की मजबूत नीतियों की बदौलत

भारत की रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए भारत के ऑडियो-विजुअल क्षेत्र में हो रही जबरदस्त वृद्धि के बारे में जानकारी दी।

सेना संग्रहालय में दिखा भारत का शौर्य

प्रथम विश्व युद्ध में भारत की अहम भूमिका को किया याद

एजेंसी ▶▶ लंदन

लंदन के राष्ट्रीय सेना संग्रहालय में भारत का शौर्य देखने को मिला है। यहां 'ब्रिटिश भारतीय सेना प्रथम विश्व युद्ध के सैनिक' नामक एक प्रदर्शनी लगाई गई है। इसके माध्यम से प्रथम विश्व युद्ध के दौरान ब्रिटिश भारतीय सेना के महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाया गया है। युनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया के साथ मिलकर यह प्रदर्शनी लगाई गई।

14 लाख भारतीय जवानों ने दी सेवा

लगभग 14 लाख भारतीय जवानों ने प्रथम विश्व युद्ध में सेवा की, जो उस समय अब तक एकजुट हुई सबसे

बड़ी स्वयंसेवी सेना थी। यह प्रदर्शनी 1914 से 1918 तक पश्चिमी मोर्चे, गैलीपोली और मेसोपोटामिया जैसे प्रमुख थिएटरों की सेवा को जीवंत करती है।

एक-दूसरे की ताकत से सीखेंगे

भारतीय-अमेरिकी सैनिकों ने किया संयुक्त युद्ध अभ्यास

एजेंसी ▶▶ अलास्का

भारत और अमेरिकी सेनाओं ने युद्ध अभ्यास के हिस्से के रूप में अलास्का में एक संयुक्त अभ्यास किया। भारतीय सेना के अधिकारियों ने जानकारी दी कि दोनों सेनाओं ने शुक्रवार को अलास्का में फील्ड ट्रेनिंग अभ्यास किया। इस अभ्यास में दोनों सेनाओं की ताकत को बढ़ाना और उनके रिश्ते को मजबूत करना है। यह अभ्यास 25 सितंबर से 8 अक्टूबर तक होगा। दोनों के बीच सालाना युद्धाभ्यास का यह 19वां संस्करण है। पिछले संस्करण का आयोजन बीते वर्ष नवंबर में उत्तराखंड के औली में हुआ था। इस बार इसमें शामिल होने के लिए भारतीय सेना के 350 सैनिकों का दल अलास्का के फोर्ट वेनराइट पहुंच चुका है।

एक-दूसरे की श्रेष्ठ पद्धतियां सीखेंगे

दोनों पक्ष टैक्टिकल ड्रिल की शृंखला का अभ्यास करेंगे। यह संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की कार्रवाइयों में दोनों को साथ तैनात करने में मदद करेगा। सैन्य ड्रिल की श्रेष्ठ पद्धतियों और दृष्टिकोण को एक-दूसरे के सामने रखा जाएगा। सैन्य कौशल, युद्ध से जुड़ी इंजीनियरिंग, लड़ाकू कार्रवाइयों के दौरान बाधाएं हटाने और आईईडी से युद्ध के तौर तरीके भी आपस में साझा होंगे।

भारतीय फिल्म 'बहादुर-द ब्रेव' ने जीता प्रतिष्ठित कुत्क्सबैंक-न्यू डायरेक्टर्स पुरस्कार

▶▶ रोहतक

भारतीय फिल्म निर्देशक दिवा शाह द्वारा निर्देशित फिल्म 'बहादुर-द ब्रेव' को 71वें सैन सेबेस्टियन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रतिष्ठित कुत्क्सबैंक-न्यू डायरेक्टर्स पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार जीतकर भारतीय निर्देशक की फिल्म ने इतिहास रच दिया है। ऐसा पहली बार हुआ जब किसी नवोदित भारतीय निर्देशक ने कुटेक्सबैंक-न्यू डायरेक्टर्स अवार्ड जीता है, जो भारतीय सिनेमा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। 71वें सैन सेबेस्टियन अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में भारतीय फिल्म निर्देशक की फिल्म 'बहादुर-द ब्रेव' विश्वेश सिंह सहरावत के प्रोडक्शन हरध्यान फिल्म और सिनाई फिक्चर्स (थॉमस अजय अब्राहम) द्वारा निर्मित फिल्म 'बहादुर-द ब्रेव' का विश्व प्रीमियर 23 सितंबर 2023 को फेस्टिवल में 'न्यू डायरेक्टर्स' सेक्शन के हिस्से के रूप में किया गया था, जो भारतीय सिनेमा जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रोहतक के प्रोड्यूसर विश्वेश सिंह सहरावत के अनुसार फिल्म 'बहादुर-द ब्रेव' भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान लगाए गए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान नेपाली प्रवासी मजदूरों के संघर्ष के इर्द-गिर्द एक मनोरंजक कहानी की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इस फिल्म में प्रतिभाशाली कलाकारों में काठमांडू के नवोदित अभिनेता रूपेश लामा और दार्जिलिंग के राहुल नवाज मुखिया के अलावा नैनीताल के गैर-अभिनेता भी शामिल हैं, जिन्हें स्थानीय क्रू सदस्यों नगमा चौधरी, विवेक भगत और अनुपम लांबा द्वारा सावधानीपूर्वक चुना गया है। दिवा शाह के निर्देशन में बनी यह फिल्म मानवीय स्थिति और प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच आशा की निरंतर खोज पर प्रकाश डालती है। इस फिल्म का नायक, हंसी, उभरते श्रम संकट से निपटने और अपने बीमार बेटे के लिए बेहतर भविष्य सुरक्षित करने के अवसर का लाभ उठाता है, जब उसका बहनोई दिल बहादुर उसे गोदाम में अवैध काम की पेशकश करता है। अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित इस फिल्म की ऐतिहासिक उपलब्धि पर दीवा शाह का कहना है कि 71वें सैन सेबेस्टियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में 'बहादुर द ब्रेव' को मिले सम्मान पाकर वह बहुत विनम्र और अभिभूत हैं। यह पुरस्कार सिर्फ हमारी फिल्म की मान्यता नहीं है, बल्कि एक वसीयतनामा है। उन्होंने इस पुरस्कार के लिए फिल्म के कलाकारों और फिल्म निर्माण में लगे रहे पूरे दल के अलावा इस फिल्म को पसंद करने वाले अविश्वसनीय दर्शकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि फिल्म 'बहादुर द ब्रेव' इसी का प्रतिबिंब है। 'बहादुर-द ब्रेव' महोत्सव में उन प्रदर्शित प्रतिष्ठित भारतीय फिल्मों की श्रेणी में शामिल हो गई है, जिनमें मीरा नायर की 'सलाम बॉम्बे' सत्यजीत रे की 'चारुलता', मृणाल सेन की 'अंतरीम' और रीमा दास की 'विलेज रॉकस्टार्स' रही हैं। खासबात ये रही कि पहली बार किसी नवोदित भारतीय निर्देशक ने कुटेक्सबैंक-न्यू डायरेक्टर्स अवार्ड जीता है, जो भारतीय सिनेमा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

आज से हॉस्पिटलों के समय में बदलाव होगा

जयपुर। सर्दियां की शुरू होने के साथ ही रविवार से जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल समेत दूसरे छोटे-बड़े हॉस्पिटल, पीएचसी-सीएचसी की रूटिन प्रक्रिया में बदलाव होगा। इन हॉस्पिटल में ओपीडी की शुरुआत सुबह 8 के बजाए 9 बजे शुरू होगी। ये प्रक्रिया 31 मार्च तक रहेगी। सर्दियों का सीजन शुरू होने के साथ ही हर बार की तरह इस बार भी ओपीडी का समय 1 अक्टूबर से बदलने का निर्णय किया है। आउटडोर में अब डॉक्टर सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक बैठेंगे। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल (एसएमएस) के साथ जयपुरिया, जेके लोन हॉस्पिटल, सांगानेरी गेट महिला चिकित्सालय, गणगौरी अस्पताल, कावंटिया हॉस्पिटल, जनाना हॉस्पिटल चांदपोल समेत शहर की तमाम पीएचसी-सीएचसी में यही समय रहेगा। इन हॉस्पिटल में ओपीडी रजिस्ट्रेशन सुबह 8:30 बजे से शुरू होगा और दोपहर 3 बजे तक रहेगा। इसी तरह अगर किसी दिन राजकीय छुट्टी होती है तो उस दिन ओपीडी का समय सुबह 9 से 11 बजे तक रहेगा।

सोशल मीडिया बन गया है 'सामूहिक ध्यान भटकाने का हथियार' : बॉम्बे हाईकोर्ट

पणजी (गोवा), (एजेंसी)। सोशल मीडिया या मास मीडिया बड़े पैमाने पर ध्यान भटकाने के हथियार बन गए हैं, लेकिन इनसे निपटने के लिए अभी तक कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए हैं। ये बात बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ के न्यायमूर्ति महेश सोनाक ने शनिवार को कही। उन्होंने कहा, आज, हम ऐसे युग में रहते हैं जहां हम कंप्यूटर और स्मार्टफोन जैसी सोचने वाली मशीनों की पूजा करते हैं और उनका महिमामंडन करते हैं। लेकिन हम उन इंसानों पर बेहद संदेह करते हैं या उनसे सावधान भी रहते हैं जो सोचने की कोशिश करते हैं। जस्टिस सोनक ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की अपनी खूबियां हैं, लेकिन यह एक दुखद दिन और दुखद दुनिया होगी अगर हम अपनी सोचने की क्षमता, बुद्धिमान और इसके अलावा संवेदनशील विकल्प चुनने की क्षमता को किसी मशीन या एल्गोरिदम के पास गिरवी रख दें। चाहे वह कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो। उन्होंने आगे कहा, हमें अपनी सोचने की क्षमता को कमजोर नहीं करना चाहिए, अन्यथा एक इंसान और एक मशीन के बीच कोई अंतर नहीं रह जाएगा। हम मानव जाति को उसकी मानवता से वंचित नहीं होने दे सकते, या कम से कम हमें ऐसा नहीं करना चाहिए।

महिलाओं में एस्ट्रोजन घटने और खराब आदतों से कमजोर होती हैं हड्डियां

महिला स्वास्थ्य

महिलाओं में कम उम्र यानी 30-40 वर्ष में ही हड्डियां कमजोर होने के मामले देखे जा रहे हैं। वहीं 45 वर्ष की उम्र के बाद मेनोपॉज शुरू होने से भी ऑस्टियोपोरोसिस की समस्या होने लगती है। इससे कमर-जोड़ों, पीठ या फिर थोड़ी देर बैठने के बाद घुटनों में दर्द की समस्या आम है। जानते हैं इसके पीछे के कारण-

एस्ट्रोजन घटने से शुरू होने लगती है समस्या

महिलाओं में एक खास हार्मोन यानी एस्ट्रोजन होता है। यह हार्मोन कैल्शियम के अवशोषण में बड़ी भूमिका निभाता है। जब महिलाएं 20-30 की उम्र में होती हैं, तो ज्यादा मात्रा में बनता है लेकिन 30-40 की उम्र में आते-आते एस्ट्रोजन हार्मोन शरीर में कम बनने लगता है। डाइट में लिए गए कैल्शियम का शरीर ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाता और महिला की हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। यही कमजोर हड्डियां अलग-अलग तरह की समस्याओं का कारण बनती हैं। दूसरा, कुछ खराब आदतें हैं जो इस तरह की समस्या को बनाती और बढ़ाती हैं।

इनके चलते होती है समस्या

1. ज्यादा प्रोटीन खाने से एसिडिटी होती है। इससे भी कैल्शियम यूरिन में ज्यादा निकलता है।
2. कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में फास्फेट ज्यादा होता है जो कैल्शियम को कम कर हड्डियों को कमजोर बनाते हैं।
3. ज्यादा मात्रा में एसिडिटी वाली दवाएं लेने से शरीर को कैल्शियम, मैग्नीशियम और जिंक जैसे खनिज पदार्थों को अवशोषित करने में मुश्किल होती है।
4. ज्यादा कैफीन वाली चीजें लेने से भी हड्डियां अंदर से कमजोर होती हैं।
5. ज्यादा तनाव से कोर्टिसॉल हार्मोन बढ़ता है। इससे ब्लड शुगर बढ़ता और टॉयलेट के रास्ते कैल्शियम भी शरीर से बाहर निकलता है।
6. ज्यादातर महिलाओं में विटामिन डी3 की कमी होती है क्योंकि वे धूप में कम जाती हैं।
7. महिलाएं कम दूध पीती हैं जबकि कैल्शियम का मुख्य स्रोत डेयरी प्रोडक्ट ही हैं।
8. ज्यादातर महिलाएं व्यायाम नहीं करती हैं। इससे हड्डियों में अकड़न और दूसरी समस्याएं शुरू हो जाती हैं।

ऐसे करें बचाव

- **शरीर** को रोज 700-1000 मिलीग्राम कैल्शियम की जरूरत होती है। डाइट में कैल्शियम से भरपूर फूड्स जैसे- दूध, दही, पनीर, चीज, हरी सब्जियां, राजगिरा के बीज, तिल के बीज, दाल, राजमा, छोले, बादाम आदि को जरूर शामिल करें।
- **सुबह** करीब 9-10 बजे हर दिन थोड़ी देर धूप में बैठें ताकि शरीर को पर्याप्त मात्रा में विटामिन-डी मिल सके।
- **महिलाओं** को रोज कम से कम 5000 कदम जरूर चलना चाहिए। अकड़न-जकड़न से आराम मिलेगा। हड्डियों में नए सेल्स बनेंगे।
- **वजन** कंट्रोल रखें। ज्यादा वजन घुटनों पर जोर बढ़ाता है। घुटने जल्दी खराब होते हैं। इससे जोड़ों का कार्टिलेज ज्यादा तेजी से घिसता है।

टेस्ट रिपोर्ट

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से ब्लड फ्लो में रुकावट होती, जिससे दिल, दिमाग, किडनी और शरीर के निचले हिस्सों पर असर पड़ता है।

12 घंटे खाली पेट के बाद ही कराएं लिपिड प्रोफाइल...

नहीं तो रिपोर्ट सही नहीं आएगी

पहले की तुलना में लोग अब सेहत को लेकर अधिक जागरूक हो रहे हैं। इसके चलते न केवल डॉक्टरी सलाह को गंभीरता से लेते हैं बल्कि कुछ लोग तो बिना डॉक्टरी सलाह के ही खुद की जांचें करवा लेते हैं। लेकिन कई बार न केवल गलत और गैर जरूरी जांचें करवा लेते हैं बल्कि कई बार जांच के लिए जब सैंपल देते हैं तो उन्हें पता नहीं होता है कि सैंपल देने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। आजकल सबसे ज्यादा लिपिड प्रोफाइल को लेकर समस्या आ रही है। जानते हैं इसके बारे में-

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट?

लिपिड प्रोफाइल की जांच शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा चेक करने के लिए होती है। इसमें पता चलता है कि खून में कितना फैट यानी वसा है। वसा में मुख्य रूप से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स होता है। ये फैट कोशिकाओं की हैल्थ के लिए जरूरी हैं। खराब खून की धमनियों को ब्लॉक करता, उसमें सूजन का कारण बनता है। इससे हृदय की क्षमता घटती है। हार्ट से संबंधित बीमारियों की आशंका बढ़ती है। लिपिड प्रोफाइल से इसकी पहले पहचान होती है।

इसमें क्या जांच होती है

इसमें टोटल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल यानी बैड कोलेस्ट्रॉल, एचडीएल यानी गुड कोलेस्ट्रॉल, ट्राइग्लिसराइड्स, वीएलडीएल लेवल, नॉन-एचडीएल कोलेस्ट्रॉल, एचडीएल और टोटल कोलेस्ट्रॉल के बीच का अनुपात देखते हैं।

जांच करवाने से पहले...

टेस्ट से पहले 10-12 घंटे कुछ न खाएं यानी खाली पेट ही टेस्ट कराएं। इसे खाली पेट सुबह-सुबह कराएं। ऐसा करने से रिपोर्ट सही आती है। खाना खाने के बाद टेस्ट से ट्राइग्लिसराइड्स गड़बड़ आ सकता है। टेस्ट से पहले चाय-कॉफी आदि बिल्कुल ही न लें। एक दिन पहले रात में किसी प्रकार का नशा या हैवी डाइट न लें।

40 के बाद रुटीन टेस्ट?

इसी उम्र के बाद शरीर में नए सेल्स कम संख्या में बनते हैं जिससे कुछ बीमारियां जैसे शुगर, ब्लड प्रेशर और हार्ट डिजीज की आशंका बढ़ती है। वहीं महिलाओं में मेनोपॉज का समय होता है। इससे उनके शरीर में कई हार्मोनल बदलाव होते हैं। इसलिए डॉक्टर रुटीन टेस्ट की सलाह देते हैं।

हाई रिस्क ग्रुप

फैमिली हिस्ट्री, वजन ज्यादा है, अल्कोहल-सिगरेट की आदत, खराब जीवनशैली, बीपी, शुगर या किडनी रोगी हैं तो 30 की उम्र से जांच कराएं।

रिपोर्ट दिखाना क्यों जरूरी

डॉक्टर को रिपोर्ट दिखाने से न केवल सही जानकारी मिलती है बल्कि खुद को भी भरोसा होता है। आगे की रणनीति का भी पता चलता है।

रुटीन टेस्ट क्यों जरूरी

- गंभीर और जानलेवा बीमारियों का जल्दी पता लग जाता है।
- बीमारी के गंभीर होने का जोखिम बहुत कम हो जाता है।
- बीमारी का जल्द पता लगने पर इलाज और उपचार में मदद मिलती है।
- मौजूदा स्थितियों की बारीकी से निगरानी कर जटिलताओं के जोखिम को सीमित किया जा सकता है।
- महंगी चिकित्सा सेवाओं से बचकर स्वास्थ्य देखभाल की लागत को कम किया जा सकता है।

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट का चार्ट

	टोटल कोलेस्ट्रॉल	नॉन-एचडीएल कोले.	एलडीएल	एचडीएल	ट्राईग्लिसराइड्स
नॉर्मल कोलेस्ट्रॉल	120 से नीचे	130 से नीचे	100 से नीचे	60 से ज्यादा	150 से नीचे
रिस्क में-बॉर्डरलाइन	200-240	130-200	100-159	40-60	150-200
खतरनाक स्तर पर	240 से ज्यादा	200 से ज्यादा	160 से ज्यादा	40 से नीचे	200-400

किस टेस्ट का क्या अर्थ होता है

लिपिड प्रोफाइल टेस्ट में मुख्य रूप से टोटल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल, एचडीएल और ट्राइ ग्लिसराइड्स का महत्व होता है। अन्य जांचें इन्हें सपोर्ट करती हैं।

- **गुड कोलेस्ट्रॉल:** यह शरीर के लिए फायदेमंद होता है। यह खून की धमनियों में जमे पदार्थों की सफाई करता है। इसकी अधिक मात्रा सेहत के लिए अच्छी होती है।
- **बैड कोलेस्ट्रॉल:** हृदय रोगों के पीछे इसी कोलेस्ट्रॉल की भूमिका होती है क्योंकि यह खून की धमनियों को गंदा करता है। ब्लॉकेज करता है। इसकी जितनी मात्रा कम है, सेहत के लिए अच्छा है।
- **वीएलडीएल:** यह भी एक प्रकार बैड कोलेस्ट्रॉल हैं। ये प्लैक बनाता है और ट्राग्लिसराइड्स को भी साथ रखता है। इससे भी हृदय रोगों का जोखिम बढ़ता है।
- **ट्राइग्लिसराइड्स:** इसकी थोड़ी मात्रा जरूरी है लेकिन ज्यादा मात्रा धमनियों की दीवार को कठोर करती है। इससे धमनियों में कड़ापन होता है। इसकी अधिकता से हार्ट डिजीज की आशंका बढ़ती है।
- **नॉन-एचडीएल कोलेस्ट्रॉल:** गुड कोलेस्ट्रॉल को छोड़कर जितने भी कोलेस्ट्रॉल होते हैं उसे नॉन एचडीएल कोलेस्ट्रॉल कहते हैं। टोटल कोलेस्ट्रॉल-एचडीएल= नॉन-एचडीएल कोलेस्ट्रॉल है।
- **टोटल कोलेस्ट्रॉल:** इसमें कुल कोलेस्ट्रॉल की गणना होती है यानी एचडीएल+एलडीएल+20 प्रतिशत ट्राइ ग्लिसराइड्स।

लिपिड प्रोफाइल बढ़ा है तो उसके क्या मायने हैं

- जिसका लिपिड प्रोफाइल बढ़ा हुआ है तो उसको हार्ट अटैक की आशंका को कई गुना बढ़ा देता है। बैड कोलेस्ट्रॉल आर्टरीज में जमा होने से ब्लॉकेज की आशंका रहती है।
- ब्लड फ्लो में रुकावट से दिल, दिमाग, किडनी और शरीर के निचले हिस्सों पर भी असर पड़ता है।
- हाई कोलेस्ट्रॉल आंखों की नसों को भी प्रभावित करता है। पलकों पर फैट जमने लगती है।
- लिपिड, फैट जैसा पदार्थ है, जो शरीर के लिए ऊर्जा का स्रोत है। यह ब्लड व टिश्यूज में जमा होता है और हमारे शरीर की सही कार्य प्रणाली के लिए बेहद जरूरी भी होता है।

रात में ब्रश करने से घटता है हृदय रोगों का जोखिम

ओरल हाइजीन यानी मुंह की सफाई का हृदय रोगों से सीधा संबंध होता है। जापान में हुए एक शोध में कहा गया है कि रात में मुंह को साफ करते हैं तो न केवल दांत-मसूड़ों बल्कि दिल की सेहत भी ठीक रहती है। ओसाका यूनिवर्सिटी में अलग-अलग मरीजों में हुए एक अध्ययन में पाया गया है कि जो लोग रात में ब्रश करते हैं उनमें हृदय रोगों का जोखिम, केवल सुबह ब्रश करने वालों की तुलना में कम होता है। शोध में दिल से जुड़ी बीमारियों जैसे हार्ट फेलियर, हार्ट रिदम डिसऑर्डर, हार्ट अटैक, सीने में दर्द जैसी बीमारियों पर ध्यान केंद्रित किया गया था।

शाम 7 बजे तक कर लेतीं डिनर, इंटरमिटेंट फास्टिंग से घटाया वजन

***कॉमेडियन** भारती सिंह ने हाल ही अपने वजन घटाने का सीक्रेट शेयर किया है। मां बनने के बाद से उनका वजन काफी बढ़ गया था। पिछले 10 महीने में उन्होंने अपना वजन 15 किग्रा तक कम किया है।*

ऐसे कम किया अपना वजन

भारती सिंह ने इंटरमिटेंट फास्टिंग को अपनाया है। इसमें वह पहला मील दोपहर 12 बजे लेती थीं और शाम को डिनर सात बजे से पहले कर लेती थीं। इस बीच में वे डाइट में लगभग सभी चीजें जैसे कि दाल, चावल, घी, मक्खन, आलू के पराठे आदि खाती थीं। लेकिन मात्रा नियंत्रित रखती थीं। इस दौरान वे जिम कम ही जाती थीं। लेकिन ब्रिस्क वॉक रोज करती थीं।

क्या है इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर कोई इसे अपनाता है तो उसे रोज 16 घंटे का उपवास रखना होता है और केवल 8 घंटे में ही खाने की छूट होती है। इस दौरान आप चाहें तो 2, 3, 4 बार भी डाइट ले सकते हैं। इसमें खाने के घंटे कम हैं इसलिए पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन, विटामिन्स और खनिजों के साथ संतुलित आहार लेने की जरूरत होती है। इसमें सामान्य डाइट के साथ नट्स, सीड्स आदि ज्यादा लेना होता है। इंटरमिटेंट फास्टिंग में जंक फूड या ऑइली फूड नहीं खाना चाहिए। इनसे शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्व नहीं मिलेंगे। नुकसान हो सकता है।

कौन लोग नहीं कर सकते हैं

जिन्हें डायबिटीज, हाइपरटेंशन, गैस्ट्रिक की समस्या है ऐसे लोगों को इंटरमिटेंट फास्टिंग नहीं करनी चाहिए। इससे उनकी परेशानी बढ़ सकती है। अगर कोई मेडिकल कंडीशन है, गर्भवती हैं या फिर उम्र अधिक है तो इसे न अपनाएं। डॉक्टरी सलाह के बाद ही शुरू करें।

होम्योपैथी में केवल इलाज ही नहीं, बीमारियों से बचाव की भी दवा है

वायरल बुखार, सर्दी-खांसी-जुकाम आम बात है। इस मौसम में मच्छर और पानी से होने वाली बीमारियों की आशंका भी बढ़ जाती है। होम्योपैथी ऐसी पद्धति है जिसमें न केवल बीमारी होने पर इलाज किया जाता है बल्कि बीमारियों से बचाव के लिए भी कुछ प्रिवेंटिव मेडिसिन भी दिए जाते हैं। जानते हैं मानसूनी बीमारियों से बचाव के लिए क्या-क्या हो सकता है।

- भीगने से हल्का बुखार, बदन दर्द या सिरदर्द हो सकता है। इसमें डल्कामारा 30 दवा लेने से आराम मिल जाता है। वयस्क इसे दो-दो बूंद दिन में 4 बार और बच्चों को एक-एक बूंद दे सकते हैं।
- मच्छरजनित बीमारियां मलेरिया, चिकनगुनिया, डेंगू होती हैं। मच्छरों से बचाव के अलावा कुछ दवाइयां हैं जैसे कि यूप्टोरियम परफ्लोटिम, ब्रायनिया अल्बा आदि जो इनको लेकर बचाव कर सकते हैं।
- पानी के दूषित होने से डायरिया-कोलेरा आदि की आशंका रहती है। इनमें उल्टी दस्त की समस्या होती है। इनमें हाइजीन का ध्यान रखना होता है। जहां शंका है कि बाहर का खाना-पानी शुद्ध नहीं है तो खाने से बचें। इसमें आर्सेनिक अल्बम 30, पोडोफाइल्म 30, वरेट्रम अल्बम 30, कैम्फोरा 30 आदि उपयोगी हैं।
- मानसून में दूषित भोजन-पानी से टाइफाइड भी आम बीमारी है। इसमें संक्रमण होता है। लंबे समय तक बुखार, पेट में गंभीर दर्द, कब्ज और दस्त के साथ साथ सिरदर्द भी हो सकता है। इसमें भी हाइजीन का ध्यान रखना होता है। साथ ही वट्रम अल्ब, बिस्मुथ, कारबो वेज आदि देते हैं। वायरल बुखार (इन्फ्लूएंजा) से बचाव के लिए आर्सेनिक अल्बम 30 की कुछ खुराक ले सकते हैं।

एंफ्लूएंजा से जुड़ी बीमारियों में ज्यादा असरकारी

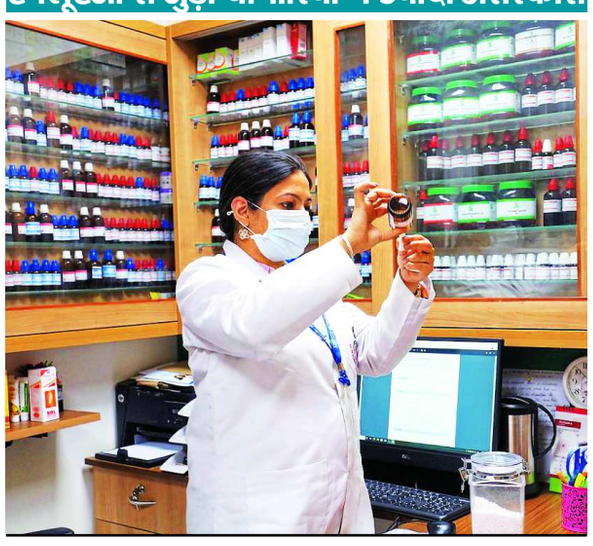

नोट- कोई भी दवा बिना डॉक्टरी सलाह के नहीं लें। इससे दवा की गुणवत्ता न केवल बढ़ जाती है बल्कि उसके दुष्प्रभाव से भी बचाव हो सकता है।

सिने वर्ल्ड

न्यू रिलीज

'एनीमल' का पोस्टर

एनिमल का टीजर 28 सितंबर को रिलीज हो गया है। इस फिल्म से बॉबी देओल का लेटेस्ट पोस्टर सामने आया है। बॉबी देओल के इस फर्स्ट लुक के साथ कैप्शन में लिखा है- "जानवर के हर दुश्मन के अंदर भी एक जानवर छिपा होता है... ये याद रखना बेटा !!!"

- **स्टार:** रणबीर कपूर, बॉबी देओल, रश्मिका

चर्चित न्यूज

बिके ओटीटी राइट्स

पुष्पा- द राइज के बाद अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2-द रूल अगले साल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म के स्ट्रीमिंग राइट्स बिक चुके हैं। ट्रेड एनालिस्ट ने सोशल मीडिया पर बताया कि फिल्म के राइट्स नेटफ्लिक्स ने रिकॉर्ड कीमत पर हासिल कर लिए हैं।

बयान

अक्षय की मूवी 'तू चाहिए' की शूटिंग पूरी

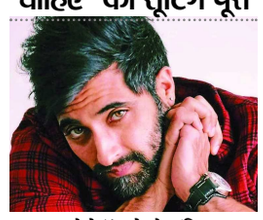

अक्षय ओबेरॉय ने रोमांटिक फिल्म 'तू चाहिए' की शूटिंग पूरी कर ली है। मूवी की शूटिंग रायपुर और मुंबई में की गई। इसमें अक्षय ओबेरॉय और अशनूर कौर पहली बार एक साथ नजर आएंगे। फिल्म में शूरवीर फेम आदिल खान भी हैं।

कॉमेडी मूवी लोग करते हैं पसंद: पंकज

'फुकरे' में पंकज त्रिपाठी 'पंडित जी' की भूमिका को लेकर चर्चा में हैं। पंकज ने कहा कि जो फिल्में लोगों को हंसाती हैं, वे दर्शकों के ज्यादा करीब होती हैं। मूवी में पंकज 'भोली पंजाबन' को लड़कों के खिलाफ चुनाव लड़वाते हैं।

'मुंबई डायरीज' का पोस्टर

स्ट्रीमिंग शो 'मुंबई डायरीज' के दूसरे सीजन में 8 एपिसोड हैं। यह शो एक मेडिकल ड्रामा है। शो में डॉक्टरों के नजरिए से मुंबई पर 26/11 के हमले की कहानी बताई गई है। इस शो का निर्माण और निर्देशन निखिल आडवाणी ने किया गया है।

टाइगर के साथ मानुषी

'बड़े मियां छोटे मियां' में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ अहम भूमिका में हैं। अक्षय के साथ यह मानुषी की दूसरी फिल्म होगी। फिल्म को अली अब्बास जफर निर्देशित कर रहे हैं। फिल्म अगले वर्ष ईद के मौके पर रिलीज होगी। मानुषी छिल्लर फिल्म में हैकर का किरदार निभाएंगी।

रघुवीर की 'यात्रिस'

रघुबीर यादव, सीमा पाहवा, अनुराग मल्हान और अभिनेता जॉनी लीवर की बेटी जेमी लीवर स्टारर फिल्म 'यात्रिस' का ट्रेलर लांच हुआ। यह फिल्म परिवार के साथ एक यात्रा पर आधरित है।

सेलेब

पांच साल की उम्र में डांस करना किया शुरू

अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व का लक्ष्य

रियाज बेस्ट डांसर सीजन 3' के टॉप फाइव में अनिकेत चौहान, विपुल खंडपाल, अंजलि ममगई, शिवांशु सोनी और समर्पण लामा पहुंचे हैं। लेकिन अंतिम मुकाबला शिवांशु सोनी और अंजलि ममगई के बीच होगा। इन्हीं दोनों में से 30 सितंबर को विजेता चुना जाना है। शिवांशु मध्य प्रदेश के सतना जिले से एक मेल क्लासिकल डांसर हैं। शो में उन्होंने क्लासिकल डांस फॉर्म की खूबसूरती को दिखाया। शिवांशु ने पत्रिका के साथ डांस शो के फाइनल में पहुंचने की यात्रा को शेयर किया।

5 साल की उम्र से डांस

शिवांशु ने बताया कि पांच साल की आयु में पहली बार स्कूल प्रोग्राम में डांस परफॉर्म किया था। उनकी डांस के प्रति इच्छा को देखते हुए उनके पेरेंट्स ने छोटी उम्र में डांस क्लास में एडमिशन करवा दिया। वह पढ़ाई में अच्छे थे लेकिन अपने पैशन को ध्यान में रखते हुए कभी प्रोफेशनल कोर्स को चुनने का नहीं सोचा। शुरू से ही ठान लिया कि डांस की दुनिया में कॅरियर बनाएंगे।

परिवार ने किया सपोर्ट

उन्होंने बताया, परिवार का हर मोड़ पर पूरा साथ मिला चाहे फाइनेंशियल या इमोशनल हो। जिस शहर से वह आते हैं, वहां इस तरह की आर्ट को सिखाने या बढ़ाने का ज्यादा स्कोप नहीं था। इसी वजह से डांस के लिए वह मुंबई आ गए। जब परफॉर्मेंस देते हैं तो जजेज की तारीफ सपने जैसी लगती है और उसी से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

चर्चा में

'अब तो पैरों में भी नहीं है दम और आंखें रंग नहीं पहचानतीं'

वे अपना ज्यादातर वक्त फार्महाउस पर ही बिताते हैं। गाड़ी चलाते, खेतों को देखते और फिल्मों के किस्से भी सुनाते वीडियो शेयर करते हैं।

धर्मेंद्र भले ही 87 साल के हो गए हों, लेकिन दिल से वह अभी भी जवां हैं। उनकी एक्टिंग का जौहर अभी भी कायम है, जो सबने इसी साल रिलीज हुई 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में देखा। वह अक्सर ही फैंस के साथ ट्विटर पर शायरी शेयर करते रहते हैं। अब धर्मेंद्र ने शायरी करते हुए वीडियो शेयर किया है। इसमें वह कह रहे हैं, 'तो सुनिए जनाब मैं क्या लिखता हूं...आंखें रंग नहीं पहचानतीं, कहता है ले चल चमन में। कोई समझाए दिल-ए-नादान को, अब तो पैरों में भी दम नहीं है।' वीडियो शेयर कर धर्मेंद्र ने लिखा है, 'ऐ हकीकत-ए-जिंदगी, मैं जवान हूं अभी।'

अमरीका से लौटे हैं

धर्मेंद्र कुछ दिन पहले ही सनी देओल और पहली पत्नी प्रकाश कौर के साथ अमेरिका से वापस लौटे हैं। इस दौरान उनकी तबीयत खराब होने की अफवाह भी फैली थी।

ट्रेंडिंग

बाहुबली का पुतला देखकर हुए नाराज

एसएस राजामौली की निर्देशित पीरियड एक्शन ड्रामा मूवी बाहुबली ने प्रभास को सुपरस्टार भी बना दिया। प्रभास के एक फैन ने एक्स पर मैसूर मोम संग्रहालय से बाहुबली की उनकी मूर्ति की एक तस्वीर साझा की। फोटो में मूर्ति प्रभास के किरदार से बिल्कुल अलग लग रही थी, जिस पर फिल्म निर्माता शोभू ने मैसूर संग्रहालय के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने लिखा,'यह आधिकारिक लाइसेंस प्राप्त काम नहीं है।

प्रभास के साथ काम पर कंगना बोली, बेशक

कंगना रणौत और प्रभास को वर्ष 2009 में 'एक निरंजन' नाम की तेलुगु फिल्म में स्क्रीन साझा करते देखा गया था। प्रभास के साथ दोबारा काम करने के बारे में बात करते हुए कंगना ने कहा, 'बेशक, मैं ऐसा करूंगी। मैं उनकी सफलता से बहुत खुश हूं। आप जानते हैं कि एक पैन इंडिया स्टार के रूप में वह कैसे अविश्वसनीय रूप से सफल रहे हैं। जब हमने वह फिल्म (एक निरंजन) की थी तब हम दोनों बहुत छोटे थे।'

एक्सपर्ट कॉलम

स्थानीय संगीत और कलाकारों को मिले उनकी अपनी पहचान

क्षेत्रीय संगीत भारत की सांस्कृतिक धरोहर और उसके इतिहास का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। यह सही मायनों में हमारे देश की विविधता को दर्शाता है। भारत के हर एक प्रांत और क्षेत्र के अपने लोकगीत और शैलियां हैं।

राम मिश्र, फाउंडर, डमरू ऐप

यह गीत और संगीत ना ही सिर्फ विभिन्न भाषाओं और बोलियों का प्रतीक है, बल्कि एक क्षेत्र की समूची संस्कृति को समाहित करता है। यह रीजनल म्यूजिक ही है जो लोगों को अपने क्षेत्र, अपनी मातृभूमि और अपनी भाषा से जोड़ता है। फिल्मी म्यूजिक की चकाचौंध के बीच क्षेत्रीय संगीत ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है, जिसका प्रमाण हैं बेहद लोकप्रिय हुए कुछ पंजाबी, तेलुगु, भोजपुरी, और राजस्थानी गाने। रीजनल म्यूजिक और कलाकारों को और बेहतर अवसर प्रदान करना जरूरी है। इसी दिशा में रीजनल म्यूजिक और संगीतकारों को आगे बढ़ाने के लिए हम डमरू म्यूजिक ऐप लेकर आए हैं। जिसमें राजस्थान के कई कलाकार जुड़ चुके हैं। भारतीय म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफार्म कि मदद से अपनी अंतराष्ट्रीय पहचान बना रहे हैं। स्थानीय संगीत, कला और कलाकारों को सहजने में डिजिटल प्लेटफॉर्म महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इच्छापूर्ति फाउंडेशन धौलपुर द्वारा गायों को खिलाया चारा

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट मित्तल धौलपुर वालों की तरफ से आर्थिक सहयोग मिला। जिससे फाउंडेशन द्वारा मुरैना श्री राम जी निराश्रित गौशाला समिति गल्ला मंडी मुरैना गौशाला में जाकर 🐂 गौ सेवा की। गौ सेवा के लिए फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा अपने हाथों से ट्रैक्टर में से गौ माता को हरी घास एवं चरी खिलाई गई। आज की सेवा के समय इच्छापूर्ति फाउंडेशन के फाउंडर शिवम अग्रवाल मुरैना, चिराग अग्रवाल मुरैना, धर्मेंद्र मंगल मुरैना एवं रामू चौधरी आदि उपस्थित थे। फाउंडेशन के सदस्य द्वारा गौ माता से प्रार्थना की, कि मित्तल धौलपुर वालों की मनोकामना पूरी करें।

नेट थियेट पर भजनमणी खूब जमी

भज ले रे बंदा गोविन्दा, पूरण करेगें तेरा काम

चमकता राजस्थान

जयपुर। नेटथियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज सुप्रसिद्ध भजन गायक अवध बिहारी माथुर ने अपने मधुर कण्ठ से राग कलावती में हनुमान चालीसा गाकर दर्शकों को भक्ति रस से सराबोर किया।

नेटथियेट के राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि भजन गायक अवध बिहारी ने अपने कार्यक्रम की शुरूआत गणेश भजन *गजमुख सुख कारिन नमो नमो* बडी तल्लीनता से सुनाया। इसके बाद उन्होने श्रीहरि शास्त्री द्वारा लिखित राग भैरवी में *अये जगदम्बीकै मुझको तुम्हारा ही सहारा है* फिर राग विहाग में *प्रेम मुदित मन से कहो राम राम* और अंत में उन्होंने स्वरचित *भजन तेरी महिमा के क्या गुण गाउं में जग जाहिर है तेरी महिमा* सुनाया तो दर्शक वाह वाह कर उठे।

ज्ञात रहे कि अवध बिहारी माथुर पिछले बारह वर्षों से खोल के हनुमान मंदिर में निरंतर प्रत्येक रविवार को हनुमान चालीसा के ग्यारह पाठ निरंतर बिना रूके कर रहे है।

इनके साथ गिटार पर *उत्तम माथुर* और ऑक्टोपेड पर *राघवेन्द्र माथुर* ने शानदार संगत कर भजनमणी कार्यक्रम को साकार किया।

कैमरा मनोज स्वामी संगीत संचालन सागर गढवाल और मंच सज्जा मनीष योगी, जीवितेष शर्मा और अंकित शर्मा नोनू की रही।

ट्रेन पर पत्थर मारने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट दिनांक 30.09.2023 को वरिष्ठ मण्डल सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा, आगरा मण्डल द्वारा मण्डल के सहायक सुरक्षा आयुक्तों, समस्त प्रभारी निरीक्षकों एवं प्रभारी उप निरीक्षकों के साथ अपराध समीक्षा गोष्ठी की गयी। गोष्ठी के दौरान विशेषतः आगरा मण्डल में होने वाली आलार्म चेन पुलिंग, रेल गाडियों पर पत्थर मारने की घटनाओं एवं सिगनल के साथ छेड़छाड़ करने की घटनाओं का विश्लेषण किया गया तथा सभी प्रभारी निरीक्षकों को घटनाओं से प्रभावित क्षेत्रों में स्टाफ लगाकर दोषियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के लिए कड़े निर्देश जारी किये गये।

बाप रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन टिकट खिड़की की सुविधा प्रारंभ

चमकता राजस्थान

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान,उपखंड मुख्यालय बाप के रेलवे स्टेशन पर रिजर्वेशन टिकट खिड़की की सुविधा प्रारंभ हो गई है। ग्रामीण पिछले लंबे समय से रिजर्वेशन टिकट खिड़की खुलवाने सहित यहां से निकलने वाली समस्त ट्रेनों का ठहराव बाप में करवाने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों की मांग पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को इस संबंध में पत्र प्रेषित किया था। जल शक्ति मंत्री के पत्र पर कार्रवाई करते हुए रेलवे द्वारा बाप में रिजर्वेशन टिकट खिड़की खोलने की सुविधा प्रदान कर दी गई है। बाप स्टेशन मास्टर राकेश कुमार पांडेय ने बताया की रिजर्वेशन टिकट खिड़की का शुभारंभ हो गया है। शनिवार को इसकी टेस्टिंग भी कर दी गई। रेलवे के अधिकारियों ने बाप क्षेत्र की जनता से आग्रह किया है कि वह यहां से ही अपने टिकट का रिजर्वेशन करवाऐ। आपको बता दे की पूर्व में बाप क्षेत्र की जनता को रेलवे टिकट रिजर्वेशन करवाने के लिए फलोदी या कोलायत जाना पड़ता था। महंत भगवानदास जाम्बा, नगरपालिका बाप अध्यक्ष लीलादेवी पालीवाल, उपाध्यक्ष गोपाल भट्टड़, पूर्व उप प्रधान जगदीश पालीवाल, सीमाजन कल्याण समिति फलोदी जिला अध्यक्ष अखेराज खत्री, भाजपा जांबा मंडल उपाध्यक्ष नारायण सिंह भाटी सिडा, भाजपा नेता एडवोकेट रतनसिंह धोलिया, अजीतसिंह खीरवा, ओमप्रकाश राठी, विजय कुमावत, सुरेश खत्री, शिक्षाविद मनसुख पालीवाल, मूलसिंह मोडरडी, हनुमानसिंह टेपू, एडवोकेट मदन शर्मा, जेठमल राठी, दामोदर मेहता, मनोज लोहिया, लक्ष्मणसिंह टेपू, जेठमल राठी, ओमप्रकाश खत्री, मोती राजा पालीवाल, रमेश पालीवाल, हाजी समसूदीन, मोहम्मद असलम, देवीलाल पालीवाल, भँवर कुमावत आदि ने केंद्रीय मंत्री व रेलवे के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

खाटूश्याम भक्तो के लिए धौलपुर आगार की नई बस सेवा शुरू

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट ,धौलपुर से खाटूश्याम जी के लिए चलेगी नई रोडवेज की बस सेवा आज दिनांक 01 /10 /2023 से धौलपुर सुबह चलेगी 5.30, बजे, बाड़ी 6.30 बजे , बसेड़ी 7.00 बजे , बयाना 9.00 बजे , जयपुर 1.45 बजे , खाटूश्याम जी शाम 4.30 बजे तक पहुंचाएगी वही वापिसी रात 8.00 बजे, जयपुर 11.00 बजे, भरतपुर 3.15 बजे , आगरा 5.15 बजे , और धौलपुर पहुंचेगी सुबह 6.30 बजे तक , एक अक्तूबर से प्रारंभ होगी यह रोडवेज सेवा,कार्यक्रम को लेकर रोडवेज प्रबंधक गणेश कुमार शर्मा द्वारा दी गई हैं जानकारी,

गांव बाई में डा बीआर अंबेडकर की प्रतिमा का हुआ अनावरण

चमकता राजस्थान

वैर (राजवीर सिंह) उपखंड की उप तहसील हलैना के गांव बाई में 29 सितंबर को बाबा साहब डा भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिसके मुख्य अतिथि सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री भजनलाल जाटव राजस्थान सरकार एवं अध्यक्षता बयाना रूपवास विधायक अमर सिंह जाटव ने की। कार्यक्रम आयोजित संचालक समाज सेवी हकीम सिंह बाई के साथ सर्व समाज के लोगो ने शिरकत की। जिसमें पंच सरपंच, प्रधान सभी ने प्रोग्राम में भाग लिया। जयपुर से सोहनसिंह आजाद सम्पादक संघ दर्पण, डा लक्ष्मी नारायण, नत्थी सिंह जसौरा पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं राष्ट्रीय संरक्षक भारतीय जाटव समाज संस्था जयपुर, प्रदेश संयोजक सामाजिक चेतना एवं विकास संस्थान जयपुर, वैर राजघराने की बेटी कांग्रेस नेत्री बेबी, पंचायत समिति प्रतिनिधि युवा नेता विजेंद्र सिंह आजादपुरा, समाजसेवी कुंवर सिंह पुष्पेंद्र सिंह गोठरा, टीकाराम रायपुर, सोहन सिंह पथैना, धर्मेंद्र सिंह रामनगर,श्री रमेशचन्द्र एक्टा,श्री दीपेश सरपंच हलैना,साहब सिंह अहेरिया सहित आसपास के ग्रामीण क्षैत्र से कई हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

आगरा मंडल में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत सिंगल यूज़ प्लास्टिक निषेध दिवस मनाया गया

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण ब्यूरो चीफ की रिपोर्ट रेलवे बोर्ड के दिशा निर्देशानुसार उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्ग दर्शन में स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 30.09.2023 को सिंगल यूज़ प्लास्टिक निषेध दिवस मनाया गया,जिसमें मंडल में सभी वेंडिंग यूनिट, वेंडर की जांच और सिंगल यूज़ प्लास्टिक मिलने पर जुर्माना इत्यादि के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया |मंडल में स्थापित सभी बोतल काटने वाली मशीन(plastic bottle crushing machine) की जाँच की गई,आगरा मंडल के अन्य स्टेशनों पर साफ़-साफाई करने का व्यापक प्रयास किया गया तथा सोशल मीडिया के माध्यम से जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है | आगरा मंडल पर दिनांक 16 सितंबर से 02 अक्टूबर 2023 तक मनाये जा रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर श्रमदान किया जा रहा है स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत दिनाँक-01.10.2023 को प्रातः 10 बजे से 11 बजे व्यापक स्तर पर श्रमदान किया जायेगा। इस अवसर पर जन-प्रतिनिधियों,रेलवे अधिकारियों,कर्मचारियों एवं विभिन्न गैर सरकारी संस्थाओं (एनजीओ) स्काउट-गाइड तथा स्कूल व कालेज के बच्चों की सहभागिता द्वारा इस श्रमदान कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत यात्रियों को प्लेटफोर्म को साफ-सुथरा रखने के लिए स्टेशनों पर उदघोषणा के साथ-साथ पोस्टरों, बैनरों, स्टीकर एवं इलेक्ट्रोनिक डिस्प्ले बोर्ड द्वारा स्टेशन परिसर में गन्दगी न फैलाने तथा साफ़-सफाई के साथ स्वच्छता के बारे में नामित अधिकारीयों एवं पर्यवेक्षकों द्वारा बताया जा रहा है|

रा शि संघ (अंबेडकर)शाखा नगर के हुए चुनाव संपन्न

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह)राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर ब्लॉक शाखा नगर के गांधी पार्क नगर में चुनाव संपन्न हुए जिसमें पर्यवेक्षक रामहंश खोलिया प्रदेश संगठन मंत्री चुनाव अधिकारी तुलाराम निर्वाण प्रधानाचार्य व मोहम्मद आजाद जिला संगठन मंत्री जिला डीग के सानिध्य में चुनाव संपन्न हुए।पर्यवेक्षक रामहंश खोलिया ने बताया कि चुनाव में लोकतांत्रिक प्रणाली अपनाई गई जिसमे तीन पदों पर ब्लॉक सभाध्यक्ष शेर सिंह,ब्लॉक महामंत्री पद पर राजहंश व कोषाध्यक्ष पद पर वीरेन्द्र कुमार निंविरोध निर्वाचित हुए जबकि अध्यक्ष पद के लिए वोट डाले गए जिसमें साहब सिंह विजयी हुए व दूसरे स्थान पर नवल सिंह तरोड़र रहे।इस मौके पर जिला अध्यक्ष सूपन लाल सुर्कती, जिला महामंत्री मुकेश मथुरिया, जिला प्रवक्ता यतीश कुमार बहज, विजय राम, राहुल मुड़ेरा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष नवल सिंह, सोनपाल तरोड़र, रामगोपाल, सोनसिंह मसारी,रामस्वरूप,परभाती, मिश्रीलाल, राम लखन वर्मा, धनेश मेवल, ममता धवन, शशि कुमारी, पंकज सीवाल, वीरेन्द्र कुमार, राजहंस जानू, लक्ष्मण निगोही, वरिष्ठ साथियों में राधेश्याम गुर्जर, रामदत्त गुर्जर, पुरषोत्तम गुर्जर आदि सैकड़ों शिक्षकों ने भाग लिया।

अंत में होरीलाल प्रधानाचार्य ने शिक्षक शिक्षार्थियों की समस्याओं पर प्रकाश डाला व चुनाव में भाग लेने वाले सभी शिक्षक साथियों को धन्यवाद देकर बैठक का समापन कराया गया।

डेढ़ करोड़ रुपए कीमत के हाथी दांत के साथ एक युवती समेत पांच जनों को किया गिरफ्तार

चमकता राजस्थान

जयपुर 30 सितंबर। पुलिस मुख्यालय क्राइम ब्रांच टीम की सूचना पर उदयपुर जिले की सवीना थाना पुलिस ने हाथी दांत बेचने की फिराक में घूम रहे एक युवती समेत पांच जनों को गिरफ्तार कर 3 फीट लम्बा व 8 किलो वजनी हाथी दांत बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में से एक सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर है। आरोपी तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले से हाथी दांत की तस्करी कर उदयपुर सौदा करने गये थे।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस अपराध श्री दिनेश एमएन ने बताया कि बरामद हाथी दांत की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब डेढ करोड रुपए है। सीआईडी क्राइम ब्रांच में हेड कांस्टेबल रामनिवास, शंकर दयाल व कमल सिंह को कोयम्बटूर से हाथी दांत की तस्करी किए जाने की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी के सुपरविजन एवं पुलिस निरीक्षक राम सिंह नाथावत के नेतृत्व में सूचना की पुष्टि के लिए टीम गठित की गई।

एडीजी श्री एमएन ने बताया कि सूचना की पुष्टि होने के बाद उदयपुर जिले की सवीना थाना पुलिस को अवगत कराया गया। इसके बाद सवीना पुलिस ने सीए सर्किल नायला तालाब के पास हाथी दांत का सौदा करने की फिराक में घूम रहे आरोपी राहुल मीणा पुत्र रमेश चंद्र (25) निवासी गढ़ी सवाई रामगढ़ थाना गढ़ी अलवर हाल नफरतगढ़ दिल्ली और इसके साथी अमृत सिंह गुर्जर पुत्र दीनदयाल गुर्जर (24) निवासी चुरखेड़ा तहसील महवा जिला दौसा अर्जुन सिंह मीणा पुत्र रमेश चंद मीणा (25) व संजय सिंह मीणा पुत्र मूल्या राम (31) निवासी मीनापुर तहसील भुसावल जिला भरतपुर तथा मूलतः बिहार के सिवान जिला हाल पालड़ी मीणा थाना खोह नागोरियान जयपुर निवासी रीटा शाह पुत्री बालिस्टर शाह (25) को गिरफ्तार कर लिया।

एडीजी ने बताया कि सीआरपीएफ में सब इंस्पेक्टर राहुल मीणा इनकी गैंग का सरगना है, फिलहाल कश्मीर के सोपोर में तैनात है। आरोपियों के विरुद्ध थाना सवीना पर वन्य जीव अधिनियम एवं अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस की टीम पूर्व में अब तक किये गए अपराधों, नेटवर्क और हाथी दांत की खरीफ फरोख्त के संबंध में गहनता से पूछताछ कर रही है।

आरोपी एसआई ने कोयंबटूर से जुलाई में पुरी की थी ट्रेनिग

एडीजी श्री एमएन ने बताया कि कोयंबटूर के जंगलों में हाथी बहुतायात से पाए जाते हैं। गिरफ्तार एसआई राहुल मीणा ने 10 जुलाई 2022 से कोयम्बटूर में सीआरपीएफ की ट्रेनिंग शुरू की थी, इस साल जुलाई महीने में ही ट्रेनिग पूरी हुई थी। अगस्त में छुट्टी लेकर घर आने निकला तो जंगल से हाथी के दांत खुद ही काट कर मोटे मुनाफे में बेचने अपने साथ ले आया। लेकिन अपने अपराध को स्टेट क्राइम ब्रांच की नजरों से बचा ना सका।

एडीजी ने बताया कि आसूचना संकलन व सूचना डवलब कर पुष्टि करने में इंस्पेक्टर राम सिंह नाथावत, हेड कांस्टेबल शंकर दयाल शर्मा, कमल सिंह व रामनिवास, कांस्टेबल देवेंद्र, गोपाल लाल, विजय सिंह, कांस्टेबल चालक विश्राम की विशेष भूमिका रही। गिरफ्तारी सवीना पुलिस द्वारा की गई।

सोशल पिलर के द्वारा डबल्यू डबल्यू डबल्यू कार्यक्रम का हुआ आयोजन

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) 24 सितंबर को सोशल पिलर के सी.ई.ओ. कमल पटेल नई दिल्ली द्वारा एन.जी.ओ. तकनीकी उपयोग, एवं संस्थाओं के सहयोग हेतु वॉलेन्टीयर्स को व्यवस्थित प्लेटफार्म प्रदान करने के उददेश्य से तैयार किये गये प्लेटफार्म का क्रियान्वयन प्रस्तुतीकरण उपयोग एवं उपलब्ध डबल्यू डबल्यू डबल्यू आदि की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डा हरीश कुमार ने बताया कि इस प्लेटफार्म का मुख्य उद्देश्य आमजन को समाजसेवा में भागीदारी हेतु एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराना एवं संस्थाओं के कार्यक्षेत्र के प्रभावी डबल्यू डबल्यू डबल्यू तंत्र को विकसित करना है। सोशल पिलर का रजिस्ट्रेशन का कार्य भरतपुर / धौलपुर जिले में डबल्यू. डबल्यू डबल्यू प्रशिक्षण एवं समाज सेवा हेतु जारी रहेगा। सामाजिक कार्य हेतु सहर्योग प्रदान करने के लिये डबल्यू वेव साईट WWW.socialpillars.org पर स्वैच्छिक कार्यकर्ता अपने आप को इंद्राज कर www ww पर जा सकते हैं। कार्यशाला मानव मंगल सेवा संस्थान भरतपुर के मुखर्जी नगर स्थित कार्यालय पर ww ww विविन्न संस्थाओं के कार्यकारियों की उपस्थिति में डा० हरीश कुमार, टी.पी. मिश्रा स्वाधीन ww संस्थान, मदर टेरेसा अनाथ सेवा समिति सुरेन्द्र सिंह, भौमिक चेरीटेबल ट्रस्ट गिरीश कुमार, www शिवराज फाउण्डेशन संस्थान से शिवराज चौधरी भरतपुर एवं धौलपुर से सामाजिक विकास ww फाउण्डेशन प्रतिनिधि राकेश परमार ने अपनी भागीदारी दर्ज कराई।

किशनगढ़ एयरपोर्ट से नागपुर हैदराबाद के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट की प्रारंभ

चमकता राजस्थान,शंकर शर्मा,किशनगढ़

किशनगढ़ (अजमेर) एयरपोर्ट के डायरेक्टर बी एल मीना ने अवगत कराया की भारत सरकार की आर सी एस योजना उड़ान के तहत यह फ्लाइट आरंभ हुई है स्टार एयरलाइंस की फ्लाइट किशनगढ़ एयरपोर्ट पर निर्धारित समय पर 76 सीटर विमान में हैदराबाद नागपुर से70यात्रियों को लेकर किशनगढ़ एयरपोर्ट पर पहुंचा विमान किशनगढ़ एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान एयरपोर्ट द्वारा वाटर कैनन से स्वागत किया गया किशनगढ़ एयरपोर्ट पर आए विमान के यात्री प्रसन्न नजर आए जल्दी ही अन्य महानगरों से फ्लाइट जुड़ने की उम्मीद भी जताई

एयरपोर्ट निदेशक बीएल मीना ने बताया सप्ताह में 5 दिन फ्लाइट का संचालन इस प्रकार से होगा किशनगढ़ एयरपोर्ट पर रविवार, सोमवार,गुरुवार, शुक्रवार और शनिवार को चलेगी हैदराबाद से नागपुर फिर किशनगढ़ आएगी फ्लाइट दोपहर 1:20 बजे किशनगढ़ आकर 1:50 बजे वापस भरेगी नागपुर, हैदराबाद के लिए उड़ान

किशनगढ़ एयरपोर्ट की डायरेक्टर बीएल मीणा ने दी जानकारी जल्द ही अन्य महानगरों से भी फ्लाइटो का होगा संचालन प्रारंभ होगा इस अवसर पर स्टार एयरलाइंस के डिप्टीडायरेक्टर मार्केटिंग मनुआनंद मार्बलएसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर जैन पुष्कर विधायक सुरेश रावत मार्बल एसोसिएशन के रमेश चांडक महासचिव शशिकांत पाटोदिया दरगाह शरीफ से हाजी सैयद सलमान चिश्ती सहित स्वागत के समय एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारीगण एवम कर्मचारी व स्टार एयरलाइंस के अधिकारी उपस्थित रहे

सार समाचार

नेवा में पोषण मेले का हुआ आयोजन

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

महिला एवं बालविकास विभाग कार्यालय बाप के निर्देशानुसार शनिवार को नेवा ग्राम मे पोषण मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गांव की महिलाओं व आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने भाग लिया। इस मौके बाप सीडीपीओ प्रीति शर्मा ने पोषण माह के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह षष्टम राष्टीय पोषण माह पूरे देश में मनाया जा रहा है, जो कि 1 से 30 सितम्बर तक मनाया जायेगा। इसके तहत आंगनवाड़ी केन्द्रों पर हर दिन केन्द्रो पर अलग अलग प्रकार की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। वरिष्ठ भाजपा नेता ठेकेदार सुजानाराम बागानी ने बच्चो को आंगनवाड़ी से जोड़ने व विभाग की सेवाओ का लाभ लेने की सलाह दी। इस मोके पर आंगनवाडी कार्यकर्ता श्यामा बिश्नोई ने गर्भवती महिलाओ को नारियल व चुनडी ओढाकर उनका स्वागत किया।गर्भवती माहिलाओ को समय पर टीकाकरण के बारे में जानकारी दी।कार्यकताओं ने अलग अलग प्रकार के व्यजन बनाकर प्रदर्शनी लगाई। इस मौके कौशल्या, खींवराज, ठेकेदार सुजानाराम, श्यामा, किशनी, राधा, नीरमा, गीता आदि उपस्थित थी।

गौ सेवा दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ- महंत भगवानदास

आरएसएस की गौ सेवा गतिविधि के तहत आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय बाप में गौ उत्पाद प्रशिक्षण आयोजित, गौशालाओं के प्रतिनिधियों ने लिया भाग

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

राष्टीय स्वयंसेवक संघ द्वारा चलाई जा रही गौ सेवा गतिविधि के तहत शनिवार को आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय बाप में गौ उत्पाद बनाने का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में गौ उत्पाद निर्माण जोधपुर प्रांत प्रमुख राजवर्धन ने गाय के गोबर व गोमूत्र से विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाकर गौशाला संचालकों को उपयोगी जानकारी दी। गोमूत्र से फिनायल बनाकर उसकी उपयोगिता बताई गई। इसके अलावा गाय के गोबर से दीपक की मूर्ति, धूप बत्ती, एंटी रेडिएशन चिप सहित दीपक बनाने की विधि बताई गई। इस मौके बोलते हुए राष्टीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक व कौशल गौशाला जांबा के संचालक महंत भगवानदास ने कहा कि गौ सेवा से ही राष्टहित संभव है। उन्होने कहा कि गौशालायें लोक कल्याण के लिए हो। राष्टहित के विभिन्न विषयों की जानकारी देते हुए महंत ने सुखी, संपन्न, स्वस्थ भारत निर्माण के लिए घर-घर गाय व हर घर दूध पहुंचाने का लक्ष्य रखा। महंत ने कहा की महानगरों में मानव व्यवस्था कृत्रिम होती जा रही है। पेड़-पौधों, जीव-जंतुओं, नदी-पहाडो से दूर, सूर्य की किरणों से वंचित जहां जल, रोशनी, मिट्टी सभी कृत्रिम है, जिसे छत पर बागवानी करके थोड़ा प्राकृतिक बनाया जा सकता है। इस मौके गौ सेवा गतिविधि विभाग संयोजक जोधपुर प्रांत खीवसिंह जोधा, गौ उत्पाद निर्माण प्रमुख जोधपुर प्रांत राजवर्धन, महंत भगवानदास जांबा, रविंद्र कुमार, भिखूलाल पालीवाल, बलिदान पालीवाल, पत्रकार कविकान्त खत्री, रोहिताश विश्नोई, खींवसिंह भोजो की बाप, मोहनलाल बिश्नोई, अशोक कुमार, श्रीपाल, मालाराम सियाग, प्रकाश पुरोहित, अशोक सैन आदि उपस्थित थे।

बाप में ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र का हुआ लोकार्पण

आईआरएस अशोक गोदारा की अनूठी पहल

बाप/कविकान्त खत्री/चमकता राजस्थान

आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय बाप में स्थापित हुए ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र का शनिवार को आईआरएस अशोक गोदारा के मुख्य आतिथ्य में समारोहपूर्वक उद्घाटन हुआ। आईआरएस अशोक गोदारा ने बताया कि इस ग्रामीण ज्ञान ज्योति केंद्र की संकल्पना फलोदी व बाप क्षेत्र की ग्रामीण प्रतिभाओं को शहरी छात्रों के बराबर अवसर उपलब्ध करवाने तथा विज्ञान वर्ग के छात्रों को डॉक्टर व इंजीनियर बनाने तथा धोरा-धरती से उच्च पदों पर लोगों को स्थान दिलवाने के लिए करवाया जा रहा है। सात स्थान पर खोले जा रहे इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीण प्रतिभाओं को निखार कर आईएएस, आरएएस, नीट, आईआईटी जैसी उच्च स्तरीय परीक्षाओं की कोचिंग देने के उद्देश्य से प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा ऑनलाइन टीचिंग के माध्यम से कक्षाएं संचालित की जाएगी। इस अवसर पर गोदारा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छात्रों को अपने व्यक्तित्व के विकास पर ध्यान देना चाहिए तथा एक अच्छे व्यक्तित्व और अनुशासन वाला विद्यार्थी ही इन केंद्रों का समुचित लाभ ले सकता है।यह सभी केंद्र प्रतिभाओं के मार्गदर्शन की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे। इन केंद्रों की ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थियों की दिशा और दशा बदलने में महत्ती भूमिका रहेगी। आईआरएस गोदारा ने कहा कि हम सभी मिलकर फलोदी का भविष्य संवारेंगे तथा इस धोरा धरती से भी हीरे निकालेंगे। उन्होंने कहा की इस क्षेत्र के लोगों में अपार सकारात्मक क्षमता और संभावनाएं है, आवश्यकता है तो केवल उनके आत्मविश्वास और आंतरिक शक्ति को जगाने की। इस दौरान विशिष्ट अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि भारत की ताकत को बढ़ाने के लिए शिक्षा का प्रचार प्रसार बहुत जरूरी है।अभिभावकों से आह्वान किया कि वे अपने बालक-बालिकाओं को इन संचालित केंद्रों पर भेज कर यथेष्ट लाभ उठाएं। शिक्षाविद् बुधाराम सियाक ने कहा की भावी पीढ़ी का निर्माण करना शिक्षकों का कार्य है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भंवरलाल दवे ने सभी का आभार प्रकट करते हुए भरोसा दिलवाया की बाप कस्बे और आसपास के छात्र छात्राओं के अध्ययन हेतु ज्ञान ज्योति केंद्र का सफल संचालन करेंगे। इस दौरान बाप विद्या मंदिर के व्यवस्थापक ओम पालीवाल, मूलचंद पालीवाल, सोनाराम जानी, मॉडल स्कूल बाप के प्रधानाचार्य राजीव कुमावत, शिक्षक नेता प्रदीप सारण, रोहिताश थोरी, चंपालाल दर्जी, रेखचन्द पालीवाल, प्रवीण कुमार, कैलाश, भोजाराम, करणीसिंह आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता पपुराम गोदारा द्वारा किया गया।

यह सुविधा होगी उपलब्ध - इस केंद्र के प्रेरक अध्यापक रोहिताश थोरी ने बताया कि केंद्र में 65 इंच की एलईडी के माध्यम से आईआईटी व नीट की नि:शुल्क कोचिंग, 40 विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर की व्यवस्था, वातानुकूलित हेतु एसी, सुरक्षा हेतु कैमरे, कम्प्यूटर प्रिंटर स्पीकर सहित दो अलमारी में पुस्तके उपलब्ध रहेगी।

प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी व अंकित चेची ने युवा मोर्चा की जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया

चमकता राजस्थान ब्यूरो

चीफ दीपचंद शर्मा भरतपुर, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष अंकित चेची के निर्देशानुसार एवं भाजपा जिला अध्यक्ष ऋषि बंसल की सहमति से भाजयुमो जिलाअध्यक्ष सौरभ ताखा ने युवा मोर्चा जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए निम्नलिखित लोगों को शामिल किया है, जिनमे जिला उपाध्यक्ष सचिन मीणा,विराट पथेना, नीरज चाहर, विक्रम चौहान, जिला महामंत्री राजेश चौधरी, संदीप कंसाना, जिला मंत्री प्रेम सिंह जाटव, हरदीप पीर नगर, गोविंद फौजदार, रवि तिवारी, सीताराम गुर्जर, कार्यालय मंत्री सोनू शर्मा, जिला प्रवक्ता जैसल जघीना, आकाश जघीना, सोशल मीडिया प्रमुख वीरेंद्र बघेल, आइटी संयोजक सौरभ गर्ग व मीडिया संयोजक पुष्पेंद्र अवार को नियुक्त किया है । सभी नवनियुक्त कार्यकर्ताओं ने सबको साथ लेकर पार्टी हित में कार्य करते हुए पार्टियों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचने का आश्वासन दिया ।

शिक्षा मंत्री ने वाल्मीकि बस्ती गंगाशहर में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

चमकता राजस्थान, बीकानेर। शिक्षा मंत्री डॉ .बी .डी कल्ला ने शनिवार को वाल्मीकि बस्ती में सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण। इस सामुदायिक भवन का निर्माण 7 लाख रुपए की लागत से हुआ है। इस अवसर पर डॉक्टर बीडी कल्ला ने कहा कि इस सामुदायिक भवन के बनने से समाज के लोगों को विभिन्न आयोजन करने के लिए सुविधाओं से युक्त बेहतर स्थान मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर वर्ग के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है।

जार का जयपुर संभाग स्तरीय पत्रकार अधिवेशन आज कानोता में

जार बस्सी इकाई द्वारा किया जाएगा आयोजन

चमकता राजस्थान, जयपुर।

जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (जार) के तत्वावधान में जयपुर संभाग स्तरीय पत्रकार अधिवेशन का आयोजन 1 अक्टूबर 2023 प्रात: 11 बजे से बस्सी विधानसभा क्षेत्र के कानोता में जयपुर आगरा राष्टीय राजमार्ग पर स्थित आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग में होगा। पत्रकार अधिवेशन में जार की प्रदेश कार्यकारिणी, जयपुर और जयपुर संभाग के पदाधिकारी, विधानसभा इकाइयों के पदाधिकारी और पत्रकार हिस्सा लेंगे। इस मौके पर पत्रकार हितों के मुद्दों पर चर्चा होगी। जार बस्सी इकाई द्वारा आयोजित कार्यक्रम में पत्रकारों का सम्मान भी किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि बस्सी विधायक लक्ष्मण मीणा ,बस्सी प्रधान इंदिरा देवी शर्मा , पीसीसी सदस्य और जिला पार्षद सुरेंद्र सिंह बराला, गिरिराज सामोत्या, डॉ पंकज सिंह,एनयूजेआई के राष्टीय कार्यकारिणी सदस्य और पूर्व जार प्रदेश अध्यक्ष राकेश शर्मा, पूर्व प्रदेश महासचिव संजय सैनी, राष्टीय उपाध्यक्ष विमलेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष शर्मा, प्रदेश महासचिव भाग सिंह, जिला अध्यक्ष जगदीश शर्मा समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

होटल में मारपीट, अफरा तफरी मची

खाना-खाने के दौरान हुआ झगड़ा, दोनों पक्षों ने दर्ज कराया मामला

चमकता राजस्थान, बीकानेर। बीकानेर के एक होटल में दो पक्ष आमने सामने हो गए। दोनों के बीच मारपीट के बाद गजनेर थाने में अलग-अलग आरोपों के साथ मामले दर्ज कराए गए। अब पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। यहां गजनेर में जोधपुर के लूणी निवासी हीराराम बिश्नोई होटल चलाते हैं। उसका आरोप है कि फलौदी निवासी सुभाष बिश्नोई और रणजीतपुरा निवासी गणपतराम ने होटल में आकर हीराराम बिश्नोई और उसके कर्मचारियों के साथ मारपीट और गाली-गलौज की। होटल कर्मचारी भी उस समय काम में लगे हुए थे। अचानक हुई मारपीट से होटल में अफरातफरी मच गई। उधर, सुभाष बिश्नोई ने भी एक एफआईआर दर्ज करवाई है। जिसमें आरोप लगाया है कि वो होटल में भोजन करने गए तो वहां जूते खोलने की बात पर अनबन हुई। बात सुनने के बजाय सीधे मारपीट शुरू कर दी गई। इस दौरान होटल में बैठे 10-15 लोगों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। ये होटल के कर्मचारी थे। इस मामले की छानबीन थानाधिकारी धर्मेंद्र कर रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच झगड़ा किस बात को लेकर हुआ? ये पता लगाया जा रहा है। दोनों पक्ष जोधपुर के रहने वाले हैं।

5 वर्षों में राज्य की चार गुना गति से प्रगति, आगे 10 गुना गति से होगा विकास : मुख्यमंत्री

5 अक्टूबर को जारी होगा विजन 2030 डॉक्यूमेंट

चमकता राजस्थान, झुंझुनूं। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि झुंझुनूं जिला आजादी से ही शिक्षा एवं खेल के क्षेत्र में हमेशा से अग्रणी रहा है। यहां की प्रतिभाओं ने राष्टीय स्तर पर कीर्तिमान स्थापित किए हैं। राज्य सरकार ने भी शेखावाटी क्षेत्र में बड़ी संख्या में शिक्षण और खेल संबंधी संस्थान खोले हैं। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र अपनी सांस्कृतिक और पुरातत्व धरोहर के लिए भी देशभर में अनूठी पहचान रखता है। यहां की हवेलियां व बिसाऊ की रामलीला देशभर में प्रसिद्ध हैं। गहलोत शनिवार को झुंझुनूं के बिसाऊ में लगभग 150 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने स्व. रामनारायण चौधरी का जिक्र करते हुए कहा कि वे जन भावना के अनुरूप क्षेत्र विकास में समर्पित रहे, उसी तरह स्थानीय विधायक कुमारी रीटा चौधरी ने भी क्षेत्र विकास में अहम योगदान दिया है। राज्य सरकार ने भी विकास में कोई कमी नहीं रखी। मंडावा क्षेत्र में 6 महाविद्यालय खोले है, जहां विद्यार्थी अपना भविष्य संवार रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, सूचना प्रौद्योगिकी, महिला सशक्तिकरण, रोजगार, आर्थिक विकास, आधारभूत सरंचना विकास, सोलर ऊर्जा, अनाज उत्पादन सहित हर क्षेत्र में देश का मॉडल स्टेट बन गया है। उन्होंने कहा कि 11.04 जीडीपी विकास दर के साथ राजस्थान उत्तर भारत में प्रथम और देश में द्वितीय स्थान पर आ गया है। हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन से राज्य की अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष के अंत तक 15 लाख करोड़ हो जाएगी, जिसे वर्ष 2030 तक 30 लाख करोड़ तक पहुंचाना हमारा लक्ष्य है। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक राजस्थान को हर क्षेत्र में भारत का सिरमौर बनाने की दिशा में महत्वाकांक्षी 'राजस्थान मिशन-2030' की षुरूआत की है। अब तक 2.50 करोड़ से अधिक लोगों से सपनों के राजस्थान के लिए सलाह और सुझाव प्राप्त हो चुके हैं। इन्हीं के आधार पर 5 अक्टूबर, 2023 को 'विजन-2030 डॉक्यूमेंट' जारी किया जाएगा। इसमें सुझावों के जरिए प्रत्येक प्रदेशवासी की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमने 5 साल में 4 गुना गति से प्रगति की है। अब वर्ष 2030 तक प्रगति की गति को 10 गुना बढ़ाना हमारा लक्ष्य है।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार के स्वास्थ्य का अधिकार, राजस्थान न्यूनतम आय गारंटी, गिग वर्कर्स वेलफेयर एक्ट, मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, किसानों की जमीन कुर्की से बचाने जैसे कानून, पुन: ओपीएस की षुरूआत, कामधेनु बीमा योजना, अनुप्रति कोचिंग योजना सहित विभिन्न नीतिगत फैसलों से हर वर्ग को राहत प्रदान की है।

कई राज्य सरकारें हमारा अनुसरण कर रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को भी राज्य सरकार की योजनाओं और फैसलों का अध्ययन करवाकर इन्हें पूरे देश में एक समान रूप से लागू करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने खाद्य सुरक्षा, सूचना, शिक्षा का अधिकार और महात्मा गांधी नरेगा के तहत रोजगार का अधिकार देषवासियों को एक समान रूप से दिया। राज्य सरकार भी लगभग 1 करोड़ लोगों को न्यूनतम 1000 रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन दे रही है। अब उसी तरह प्रधानमंत्री भी केंद्र में राइट टू सोषल सिक्योरिटी एक्ट बनाकर लागू करे।

कार्यालय प्रधानाचार्य राजकीय देवनारायण बालिका आवासीय विधालय, (राईस) रसेरी अलापुरी

ई-मेल :- gdrgs.alapuri.btp@rajasthan.gov.in

क्रमांक : प्रधानाचार्य/अलापुरी/स्टोर/ 2023-24/ 1112-14 दिनांक : 29/9/2023

निविदा सूचना संख्या ..../2023-24

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग (राईस) के अधीन संचालित राजकीय देवनारायण बालिका आवासीय विधालय, रसेरी अलापुरी बयाना हेतु निम्नानुसार सामग्री क्रय हेतु पात्र संवेदकों से Rajasthan Transparency in Public Procurement Act 2012 एवं 2013 की धारा 29 व नियम 15 में उल्लेखित प्रावधानों के अनुसार खुली निविदा (द्वि-प्रक्रम) आमंत्रित की जाती है :-

क्रम संख्या	सामग्री का विवरण	UBN No	निविदा राशि (लाखों में)	निविदा प्राप्त करने अथवा डाउनलोड आरम्भ करने की तिथि व समय	निविदा कार्यालय में जमा कराने की अंतिम तिथि व समय	निविदा खोले जाने की अंतिम तिथि व समय
1.	ओपन जिम सामग्री	SOC2324-GSOB00214	09.00 लाख	30.09.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे से	06.10.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे तक	06.10.2023 को मध्यान्ह पश्चात 2.00 बजे
2	स्मार्ट इन्टरएक्टिव टीचिंग बोर्ड	SOC2324-GSOB00213	3.00 लाख	30.09.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे से	06.10.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे तक	06.10.2023 को मध्यान्ह पश्चात 2.00 बजे
3	चपाती मशीन	SOC2324-GSOB00215	6.00 लाख	30.09.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे से	06.10.2023 मध्यान्ह 12.00 बजे तक	06.10.2023 को मध्यान्ह पश्चात 2.00 बजे

UBN No. --------------------------------

प्रधानाचार्य
राजकीय देवनारायण बालिका आवासीय विधालय

सेल्फी ले रहा युवक ट्रेन की चपेट में आया

पटरी से उछलकर 5 फीट दूर जाकर गिरा, दो दोस्त पीछे हटने से बचे

चमकता राजस्थान, भीलवाड़ा।

रेलवे पटरी पर सेल्फी ले रहा युवक ट्रेन की चपेट में आ गया। टक्कर के बाद वह उछल कर 5 फीट दूर गिरा। उसके साथ दो दोस्त भी थे, लेकिन समय रहते वह पीछे हट गए। दोनों दोस्तों ने युवक को गंभीर हालत में हॉस्पिटल में भर्ती कराया। हादसा शनिवार दोपहर 12 बजे भीलवाड़ा के रायला कस्बे से गुजर रहे ओवरब्रिज के नीचे रेलवे पटरियों का है। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में तीनों दोस्त पटरियों के पास नजर आ रहे हैं। सामने से ट्रेन आते दिखाई दे रही है और तीनों सेल्फी ले रहे हैं। ट्रेन को देखकर दो दोस्त पटरी से दूर हट जाते हैं। वहीं यूपी फिरोजाबाद निवासी विजेंद्र (30) पटरी के किनारे पर खड़ा रहता है। सामने आया है कि वह सेल्फी के बाद मोबाइल पर बात करने लगा था। ट्रेन से टकराते ही युवक उछल कर 5 फीट दूर जाकर गिरा।

हॉस्पिटल लेकर गए दोनों दोस्त

ट्रेन के लोको पायलट के हॉर्न बजाने पर भी युवक नहीं हटा। दोनों दोस्त घायल हालत में उसे हॉस्पिटल लेकर गए। महात्मा गांधी हॉस्पिटल में उसका इलाज चल रहा है। विजेंद्र रायला में एक फैक्ट्री में काम करता है। ट्रेन भीलवाड़ा से अजमेर जा रही थी। रायला थाना प्रभारी महावीर शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर को इंटरसिटी ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक घायल हो गया है। युवक का एक वीडियो भी सामने आया है। वह और उसके साथी पटरी पर नजर आ रहे हैं। युवक के होश में आने के बाद घटना की जानकारी ली जाएगी।

'प्रशासन शहरों के संग' अभियान की अवधि बढ़ी

31.03.2024 तक बढ़ाई गई अभियान अवधि - 9.11 लाख पट्टे जारी किये गए अभी तक 2628.44 करोड़ रुपए का राजस्व हुआ प्राप्त

चमकता राजस्थान, बीकानेर। प्रदेश में चलाए जा रहे 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान की अवधि दिनांक 31.03.2024 तक के लिए बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इस संबंध में प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। इससे प्रदेशवासियों को राहत मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि सरकार द्वारा दिनांक 02.10.2021 से राज्य में चलाए गए 'प्रशासन शहरों के संग' अभियान को पूर्व में दिनांक 30.09.2023 तक बढ़ाया गया था। इसमें अब तक 9.11 लाख पट्टे जारी किए जा चुके हैं तथा 2628.44 करोड़ रुपए के राजस्व की प्राप्ति हुई है। जनता में इस अभियान की रूचि एवं उत्साह को देखते हुए इस अभियान की अवधि में 6 माह की वृद्धि की गई है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवम 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली न.6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक: अभय सिंह चौहान, मोबाइल: 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)